শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 248 | गुवाहाटी | गुरुवार, 10 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 84 प्रतिशत किया — पेज 2
कांग्रेस प्रत्याशियों को नामांकन से रोकने का एपीसीसी ने लगाया आरोप — पेज 3
पेयजल संकट पर वसुंधरा की नाराजगी के बाद केंद्र ने मांगी राज्य सरकार से रिपोर्ट — पेज 5
नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग के साथ करेंगे सीजन की शुरूआत — पेज 7

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

खुद ही अपने सपनो को साकार करे, वर्ना कोई और आपको उनके सपनो को साकार करने के लिए खरीद लेंगा।

–फराह ग्रे

प्रमोद बोड़ो ने 75 सामुदायिक संगठनों के साथ महत्वपूर्ण परामर्श बैठक की

कोकराझाड़। समावेशी शासन और सांस्कृतिक संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, बीटीसी ने मंगलवार को कोकराझाड़ के बोड़ोफा सांस्कृतिक परिसर में 75 सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श बैठक आयोजित की। बैठक में बीटीआर के सभी 26 समुदायों के 75 संगठनों ने भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता बीटीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रमोद बोड़ो ने की। अपने संबोधन में मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रमोद बोड़ो ने 2020 में बोड़ो शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद बोड़ोलैंड के संघर्ष से स्थिरता की ओर संक्रमण पर विचार किया। उन्होंने कहा कि बीटीआर आज शांति के एक मॉडल के रूप में खड़ा है, जहां समुदायों के बीच संवाद और सहयोग प्रगति की नींव बन गए हैं। दिन की प्रमुख घोषणाओं में से एक सभी 26 समुदायों की विरासत को संरक्षित करने और मनाने के लिए एक सामुदायिक संग्रहालय स्थापित करने का प्रस्ताव था। उन्होंने सामुदायिक संगठनों से समुदाय-विशिष्ट प्रतिबंधित छुट्टियों का प्रस्ताव देने और सामुदायिक उत्सवों की योजना प्रस्तुत करने का भी आग्रह किया, जिसके आयोजन में परिषद सरकार सहायता कर सकती है। भाषाई मोर्चे पर, सीईएम बोड़ो ने 10 भाषाओं वाली बहुभाषी शब्द पुस्तक का पहला खंड जारी किया और घोषणा की कि बीटीआर के शेष समुदायों को शामिल करते हुए दूसरा खंड विजन डॉक्यूमेंट कार्यक्रम के तहत चालू वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में प्रकाशित किया जाएगा। सीईएम ने विजन डॉक्यूमेंट के साथ जुड़े प्रमुख विकास क्षेत्रों पर भी प्रकाश -शेष पृष्ठ दो पर

सीईएम विकास लक्ष्यों को समय पर पूरा करने का आह्वान किया

कोकराझाड़। बीटीसी सीईएम प्रमोद बोड़ो ने विकास-केंद्रित पहलों पर ध्यान केंद्रित करने और वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए तैयार की जाने वाली 100-दिवसीय कार्य योजना में उल्लिखित लक्ष्यों को प्राप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बीटीआर के परिषद प्रमुखों (सीएचडी) से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि लक्ष्य निर्धारित करते समय और गतिविधियों की योजना बनाते समय, वास्तविक जमीनी आवश्यकताओं का उचित क्षेत्र सत्यापन और आकलन किया जाए। विभागों और केंद्रित विषयगत क्षेत्रों के लिए 100-दिवसीय लक्ष्यों के लिए मंगलवार को बीटीसीएलए सभागार में आयोजित तैयारी बैठक में बोलते हुए, उन्होंने बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के समग्र विकास के उद्देश्य से दीर्घकालिक दृष्टि तैयार करने का भी आह्वान किया। -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

असम-नगालैंड सीमा पर तनाव

कार्बी आंग्लांग (हि.स.)। असम-नगालैंड सीमा के डी सेक्टर के 12 नंबर कलाजान क्षेत्र के पास स्थित जुजुम यान गांव में नगा समुदाय द्वारा एक असमिया किसान को पकड़कर उसे गोली मारने की धमकी देने की घटना से इलाके में तनाव फैल गया है। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार, नगालैंड के वखा जिले के भांडारी उपमंडल अंतर्गत जुजुम यान गांव -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में वज्रपात की चपेट में आने से 13 की मौत

पटना (हि.स.)। बिहार में बुधवार को आकाशीय बिजली (वज्रपात) की चपेट में आने से 13 लोगों की मौत हो गई। इनमें सबसे ज्यादा बेगूसराय में पांच लोगों की मौत हुई। इसके अलावा मधुबनी में तीन, दरभंगा में दो और अररिया में एक व्यक्ति की मौत हुई है। बेगूसराय जिले के बलिया, साहेबपुर कमाल, मुफस्सिल, भगवानपुर और मटिहानी थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली की -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में रोंगाली बिहू की तैयारी शुरू

सरकार ने 9.25 लाख गामोछा खरीदे, पांच लाख से अधिक बुनकरों को सशक्त बनाया

गुवाहाटी। रोंगाली बिहू का उत्साह गुवाहाटी और असम के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिल रहा है, क्योंकि लोग असमिया नववर्ष के अवसर पर राज्य के सबसे बड़े त्यौहार को मनाने की तैयारी कर रहे हैं। रोंगाली बिहू उत्सव के जश्न से पहले, गुवाहाटी के बाजार खाने-पीने की चीजों, गामोछा, बिहू के कपड़े, ढोल, पेपा, असमिया पारंपरिक जापी आदि से सज गए हैं। लोग पिठा (चावल की टिकिया), ताजा क्रीम, गाढ़ा मलाईदार दही, विभिन्न प्रकार के लड्डू, गुड़, गामोछा, पारंपरिक कपड़े आदि सहित विभिन्न खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए बाजारों में उमड़ पड़े हैं। रोंगाली बिहू जिसे बोहाग बिहू के नाम से भी जाना जाता है, हर साल अप्रैल के दूसरे सप्ताह में पूरे राज्य में हर्ष, उल्लास और उत्साह के साथ मनाया जाता है। राज्य के सबसे बड़े त्यौहार -शेष पृष्ठ दो पर

असम बोर्ड 10वीं क्लास का रिजल्ट आज

गुवाहाटी। असम में इस साल 10वीं बोर्ड की परीक्षा देने वाले छात्रों का रिजल्ट के लिए इंतजार गुरुवार (10 अप्रैल 2025) को खत्म हो जाएगा। दरअसल, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, असम (SEBA) कल 10वीं बोर्ड एग्जाम रिजल्ट की घोषणा करेगा। परिणाम जारी होने के बाद जिन स्टूडेंट्स ने इस साल परीक्षा दी थी बह आधिकारिक वेबसाइट results.sebaonline.org, sebaonline.org और resultsassam.nic.in अपना रिजल्ट चेक -शेष पृष्ठ दो पर

असम से अरुणाचल तक कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए केंद्र ने नए राजमार्ग को मंजूरी दी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच यात्रा को बेहतर बनाने के लिए एक प्रमुख सड़क उन्नयन परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना में राष्ट्रीय राजमार्ग 115 (एनएच-115) के एक हिस्से को मानक दो-लेन सड़क से पक्के कंधों वाली दो-लेन सड़क में उन्नत करना शामिल है। यह महत्वपूर्ण खंड इस्लामपुर से, धोला-सदिया पुल के करीब, असम के तिनसुकिया जिले के शांतिपुर में सीमा चौकी तक चलता है। क्षेत्रीय बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के उद्देश्य से इस परियोजना के वित्तीय वर्ष 2025-26 तक पूरा होने की उम्मीद है। एक बार पूरा हो जाने के बाद, -शेष पृष्ठ दो पर

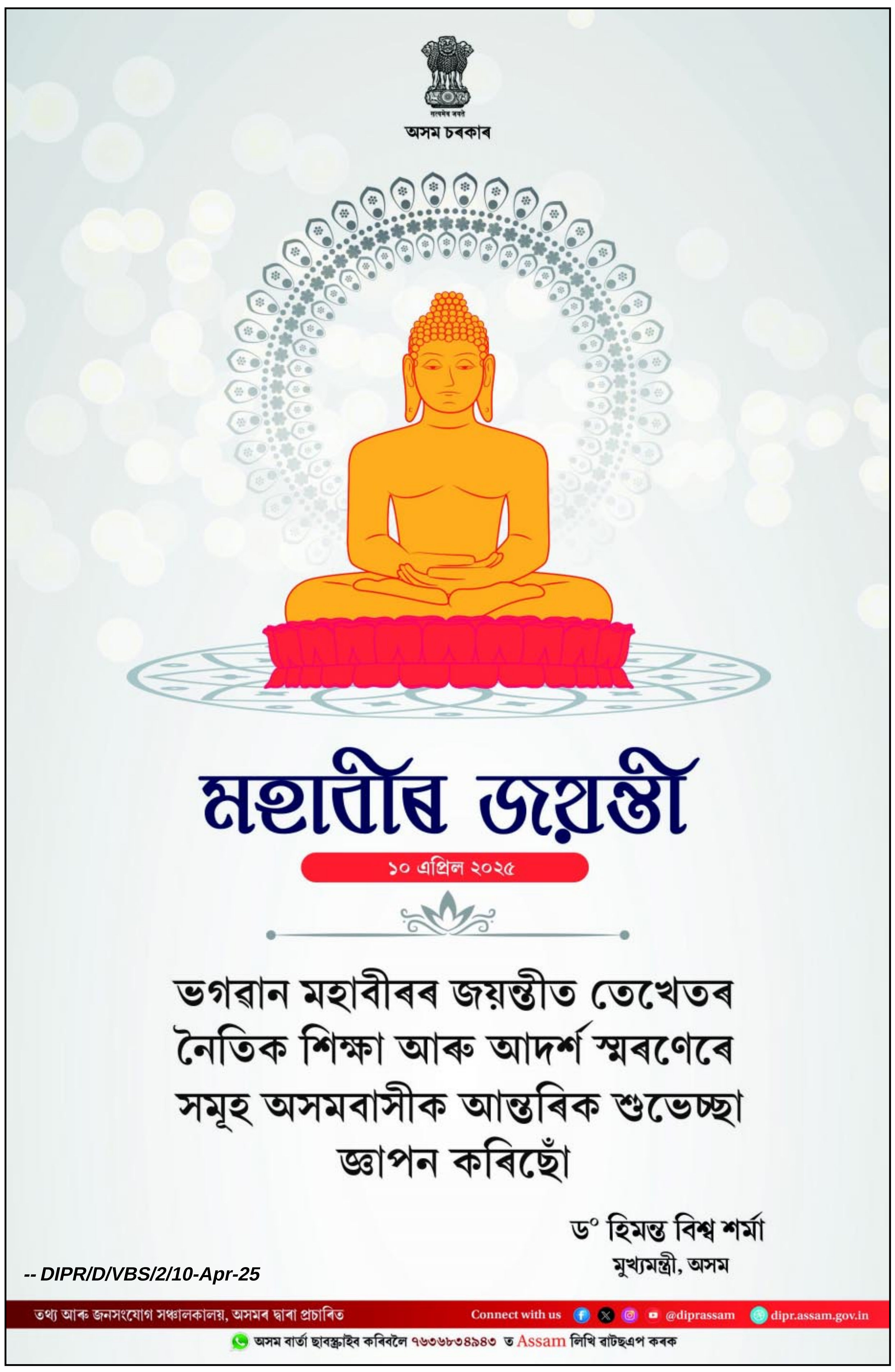

केंद्र ने तीन शहरों में जल मेट्रो व्यवहार्यता अध्ययन को हरी झंडी दी

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को असम में जल मेट्रो सेवाओं की संभावना तलाशने के लिए तकनीकी व्यवहार्यता अद्ययन को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर इस कदम की सराहना करते हुए इसे नदी तटीय क्षेत्रों में शहरी गतिशीलता को बदलने की दिशा में एक कदम बताया। शर्मा ने एक माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट पर लिखा कि असम के विशाल नदी नेटवर्क के साथ, जल मेट्रो गुवाहाटी, डिब्रूगढ़ और तेजपुर जैसे स्थानों में शहरी गतिशीलता को बदलने में बेजोड़ क्षमता प्रदान करती है। यह सराहना ऐसे समय में हुई है जब एक दिन पहले ही मंत्री सोनोवाल ने कोच्चि जल मेट्रो की -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रैफिक से परेशान तेंदुलकर ने रद्द किया कामाख्या का दौरा

गुवाहाटी। भारतीय पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने गुवाहाटी में भारी ट्रैफिक जाम के कारण कामाख्या मंदिर की अपनी यात्रा रद्द कर दी है। ट्रैफिक में देरी और समय की कमी के कारण उनकी योजना में बदलाव किया गया है, क्योंकि तेंदुलकर और उनका परिवार बुधवार को शाम 5 बजे मुंबई के लिए रवाना होने वाले हैं। यात्रा रद्द करने के अलावा, जोराबाट-खानापाड़ा मार्ग पर यातायात जाम के कारण तेंदुलकर के काफिले को दिगारू से होकर वैकल्पिक मार्ग लेना पड़ा, जो सेना शिविर से होते हुए नारेंगी से निकल गया। गुवाहाटी पहुंचने पर तेंदुलकर सीधे रेडिसन ब्लू होटल जाएंगे और मुंबई के लिए उड़ान भरने से पहले थोड़ी देर आराम करेंगे।

जैन साहित्य भारत के बौद्धिक गौरव की रीढ़ रहा है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में *नवकार महामंत्र दिवस* कार्यक्रम में भारत की बौद्धिक और आध्यात्मिक विरासत को आकार देने में जैन साहित्य की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जैन साहित्य भारत के बौद्धिक गौरव की रीढ़ रहा है और इस ज्ञान को संरक्षित करना एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में प्राकृत और पाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने के केंद्र सरकार के फैसले का उल्लेख करते हुए बताया कि इससे जैन साहित्य पर और अधिक शोध हो सकेगा। भाषा को संरक्षित करने से ज्ञान का अस्तित्व बना रहता है और भाषा का विस्तार करने से ज्ञान का विकास होता है। प्रधानमंत्री ने भारत में सदियों पुरानी जैन पांडुलिपियों के अस्तित्व का उल्लेख किया और प्रत्येक पृष्ठ को इतिहास का दर्पण और ज्ञान का सागर बताते हुए गहन जैन शिक्षाओं का हवाला दिया। उन्होंने कई महत्वपूर्ण ग्रंथों के धीरे-धीरे लुप्त होने पर चिंता व्यक्त की और इस वर्ष के बजट में घोषित ज्ञान भारतम मिशन के शुभारंभ का उल्लेख किया। उन्होंने देशभर में लाखों पांडुलिपियों का सर्वेक्षण करने और प्राचीन विरासत को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

104 प्रतिशत ट्रंप टैरिफ के जवाब में चीन का बड़ा फैसला

अमेरिकी सामानों पर आयात शुल्क बढ़ाकर 84 प्रतिशत किया

नई दिल्ली। चीन और ट्रंप के बीच चल रही तनातनी बुधवार को तब और बढ़ गई जब बीजिंग ने अमेरिका से आने वाले सामानों पर टैरिफ बढ़ाकर 84 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले, चीन ने अमेरिकी टैरिफ के जवाब में उसके उत्पादों पर 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया था। उसके बाद, ट्रंप ने चीन पर 104 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने का फरमान जारी कर दिया। अब इसी के जवाब में बीजिंग ने कार्रवाई की है। चीनी की ओर से ताजा टैरिफ के एलान के बाद बुधवार को अमेरिकी शेयर सूचकांक के वायदा भाव में गिरावट दिखी। अमेरिकी समयानुसार सुबह सात बजकर 08 मिनट पर डॉव ई-मिनिस 709 अंक या 1.87 प्रतिशत नीचे आ गया। , एसएंडपी 500 ई-मिनिस में 86.5 अंक या 1.72त्न की गिरावट दिखी। वहीं, नैस्डैक 100 ई-मिनिस 250.75 अंक या 1.45 प्रतिशत नीचे आ गया। चीन ने बुधवार को विश्व व्यापार संगठन से कहा कि बीजिंग पर पारस्परिक शुल्क लगाने के अमेरिका के फैसले से वैश्विक व्यापार में और अस्थिरता आने का खतरा है। चीन ने विश्व व्यापार संगठन को दिए गए एक बयान में कहा कि स्थिति खतरनाक रूप से बढ़ गई है। ... प्रभावित सदस्यों में से एक के रूप में, चीन इस लापरवाह कदम पर गंभीर चिंता और दृढ़ विरोध व्यक्त करता है। वस्तुओं के व्यापार से जुड़ी एक बैठक के दौरान विश्व व्यापार संगठन के सदस्यों को दिए गए एक बयान ड्रैगन ने कहा कि चीन व्यापार युद्धों का विरोध करता है, वह अपने वैध हितों की दृढ़ता से रक्षा करेगा। चीन ने बुधवार को अमेरिका पर डब्ल्यूटीओ के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि यह बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को कमजोर कर रहा है। चीन ने डब्ल्यूटीओ के सचिवालय को वैश्विक व्यापार पर जवाबी टैरिफ के प्रभाव का अध्ययन करने और सदस्यों को अपने निष्कर्षों की रिपोर्ट देने के लिए कहा। डब्ल्यूटीओ को दिए गए चीन के बयान में कहा गया कि पारस्परिक शुल्क व्यापार असंतुलन का समाधान नहीं है- और कभी नहीं होगा। इसके बजाय, वे उल्टा असर डालेंगे, जिससे अमेरिका को ही नुकसान होगा। ट्रम्प के व्यापक शुल्कों ने दशकों से चली आ रही वैश्विक व्यापार व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है, मंदी की आशंकाओं को बढ़ा दिया है। अमेरिकी प्रशासन के इस फैसले से प्रमुख कंपनियों के बाजार मूल्य से खरबों डॉलर का नुकसान हुआ है। हालांकि, ट्रंप ने बाजार में आई इस गिरावट को नजरअंदाज कर दिया है और निवेशकों को इस बारे में मिश्रित संकेत दिए हैं।

युवाओं को विस की प्रक्रिया और कार्यप्रणाली का संपूर्ण ज्ञान देने के लिए असम विस का ऐतिहासिक कदम

गुवाहाटी। असम विधानसभा ने आज श्रीमंत शंकरदेव अंतर्राष्ट्रीय हॉल में यूथ इमरशन कार्यक्रम, 2025 का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य राज्य के युवाओं को असम विधानसभा की कार्यप्रणाली की गहन जानकारी देना है। असम में पहली बार आयोजित की जा रही इस ऐतिहासिक पहल का उद्देश्य स्नातक छात्रों को विधानसभा और संसदीय प्रक्रिया की कार्यप्रणाली से परिचित कराना तथा उन्हें प्रगतिशील राज्य के निर्माण के लिए प्रेरित करना है। इस कार्यक्रम में गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में और गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नोनी गोपाल महंत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी ने किया और आमंत्रित अतिथियों ने ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिए। अपने भाषण में, गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नोनी गोपाल मोहंती ने अध्यक्ष के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान युवा विसर्जन, 2025 का आयोजन करके एक ऐतिहासिक कदम उठाने के लिए विश्वजीत दैमारी को धन्यवाद दिया। उन्होंने 1913 में विधायी प्रक्रिया के आरंभ से लेकर वर्तमान तक असम विधानसभा की विभिन्न प्रक्रियाओं पर एक सारगर्भित भाषण दिया। गुजरात विधानसभा अध्यक्ष शंकर चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने *नए भारत* के निर्माण के लिए युवाओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि दूर रहकर देश को नहीं बदला जा सकता, बदलाव के लिए आपको स्वयं शामिल होना होगा। उन्होंने युवाओं को योग्य जनप्रतिनिधि बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विश्वजीत दैमारी से अनुरोध किया कि वे असम के विद्यार्थियों को गुजरात विधानसभा की कार्यप्रणाली समझने के लिए गुजरात आने में सुविधा प्रदान करें। विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा की कार्यप्रणाली पर एक प्रस्तुति दी तथा प्रश्नोत्तर सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों से बातचीत की। उन्होंने एक सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जिसने सभी उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

बंगाल में वक्फ संशोधन अधिनियम नहीं होगा लागू : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीते दिन हुई वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों और पुलिस के बीच हुई झड़प के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि राज्य में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं होगा। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ममता ने कहा कि वह अल्पसंख्यक लोगों और उनकी संपत्ति की रक्षा के लिए हम कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा, जिससे कोई समाज में फूट डालकर राज कर सके। ममता ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति देखिए। इसे अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। आपको जियो और जीने दो का संदेश देना चाहिए। बंगाल में रहने वालों को सुरक्षा देना हमारा काम है। मैं आप सभी से अपील करती हूं कि अगर कोई आपको राजनीतिक रूप से एकत्र होने के लिए उकसाता है, तो कृपया ऐसा न करें। कृपया याद रखें कि दीदी आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। अगर हम साथ रहेंगे, तो हम दुनिया जीत सकते हैं। ममता बनर्जी ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम लोग हर परंपरा को मानते हैं, हमारे यहां जितने भी धर्म हैं, सबके लिए हमने बचपन से प्रेम सीखा है।

नाइटक्लब की छत गिरने से 113 लोग जिंदा दफन

सेंटो डोमिंगो (हि.स.)। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सेंटो डोमिंगो (नेशनल डिस्ट्रिक्ट) में मंगलवार सुबह एक नाइट क्लब की छत ढह जाने से कम से कम 113 लोगों की जान चली गई। इस क्लब का नाम जेट सेट है। यह हादसा गायिका रूबी पेरेज की प्रस्तुति (संगीत कार्यक्रम) के दौरान हुआ। मृतकों में 59 वर्षीय पेरेज के अलावा मेजर लीग बेसबॉल के पूर्व पिचर ऑक्टेवियो डोटेल, पूर्व खिलाड़ी टोनी ब्लैंको और मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज भी शामिल हैं। शोक में डूबे इस गणराज्य में हुए हादसे में 155 से अधिक लोग घायल हुए हैं। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, डोमिनिकन गणराज्य उत्तर अमेरिका महाद्वीप में एक कैरिबियाई देश है। डोमिनिकन गणराज्य की आपातकालीन सेवा ने मृतकों और घायलों की संख्या की पुष्टि की है। छत गिरने की वजह अभी तक साफ नहीं हो सकी है। आपातकालीन सेवाओं के प्रबंध निदेशक मेजर जनरल जुआन मैनुअल मेंडेज ने मंगलवार देररात संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अब तक 79 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। 155 बचे हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डोमिनिकन गणराज्य पुलिस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कहा कि अभी भी मलबे में लोगों की तलाश की जा रही है। लेकिन मलबे में दबे लोगों के जीवित बचने की संभावना क्षीण हो गई है। राष्ट्रपति लुइस एबिनेडर ने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है।

जिम्मेदारी न निभाने वाले हों रिटायर, मदद न करने वाले आराम करें : खड़गे

अहमदाबाद। अहमदाबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी नेताओं को तीखा संदेश देते हुए कहा कि जो लोग पार्टी के काम में मदद नहीं करते हैं, उन्हें आराम करने की जरूरत है, जबकि जो लोग अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभाते हैं, उन्हें सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए। साबरमती नदी के तट पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण में खड़गे ने इस बात पर भी जोर दिया कि संगठन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की भूमिका को काफी बढ़ाया जाएगा और उनकी नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन के निर्माण में जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। इसलिए उनकी नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जानी चाहिए। खड़गे ने कहा कि जिला अध्यक्ष को अपनी नियुक्ति के एक साल के भीतर सबसे अच्छे लोगों को जोड़कर बूथ कमेटी, मंडल कमेटी, ब्लॉक कमेटी और जिला कमेटी बनानी होती है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई पक्षपात नहीं होना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हमने देश भर के जिला अध्यक्षों की तीन बैठकें भी बुलाईं। राहुल जी और मैंने उनसे बात की और उनके सुझाव लिए। भविष्य में हम चुनावों के लिए उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में जिला अध्यक्षों को भी शामिल करने जा रहे हैं। खड़गे ने कहा कि मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जो लोग पार्टी के काम में मदद नहीं करते, उन्हें आराम करने की जरूरत है, जो अपनी जिम्मेदारियों को पूरा नहीं करते, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल के सिद्धांतों का पालन कर रही है। खड़गे ने कहा कि हम फिर से भारत की आजादी के लिए लड़ रहे हैं। आजादी की इस दूसरी लड़ाई में दुश्मन फिर से अन्याय, असमानता, भेदभाव, गरीबी और सांप्रदायिकता हैं। खड़गे ने कहा कि फर्क सिर्फ इतना है कि पहले विदेशी लोग अन्याय, गरीबी और असमानता को बढ़ावा देते थे, अब हमारी अपनी सरकार ऐसा कर रही है।

सीमा पर नशीले पदार्थों की तस्करी बड़ी समस्या, उठाने होंगे कड़े कदम : सीएम

एजल। मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा है कि मिजोरम एक लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा साझा करता है। अंतर्राष्ट्रीय सीमा से नशीले पदार्थों की तस्करी एक बड़ी समस्या है। इसे रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत है। यह बात उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के निदेशक जनरल अनुराग गर्ग से अपने कार्यालय में मुलाकात के दौरान कही। बैठक में उन्होंने मिजोरम में बढ़ते नशीले पदार्थों के खतरे से निपटने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की। इस बैठक में मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा से नशीले पदार्थों के बढ़ते प्रवेश को रोकने के लिए प्रयासों को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि उन उपायों पर तुरंत कार्रवाई करने की जरूरत है, जिससे तस्करी को रोका जा सकता है। हर पहलु पर गौर करने की जरूरत है। उन्होंने सीमा क्षेत्रों में ड्रग तस्करी को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे और पर्याप्त मानव संसाधन की महत्ता पर जोर दिया। बैठक में उन्होंने राज्य सरकार की ओर से केंद्रीय सरकार और गृह मंत्रालय के तहत मिजो टेरिटोरियल आर्मी स्थापित करने के लिए अपील की है। बैठक में निदेशक जनरल अनुराग गर्ग ने कहा कि मिजोरम में एक पूरी तरह से क्रियाशील जोनल ऑफिस स्थापित करना लाभकारी होगा। उन्होंने कार्यबल को मजबूत करने की आवश्यकता को दोहराया। बैठक में एक बात पर ध्यान दिया गया कि यहां पर मिजो भाषा के अधिकारियों की कमी है। बैठक में गर्ग ने मिजो भाषा में दक्ष और अधिक एनसीबी कर्मचारियों की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के सचिव एवं आयुक्त वानलालदीना फानई भी उपस्थित थे।

पृष्ठ एक का शेष

प्रमोद बोड़ो ने 75 सामुदायिक...

डाला, जिसमें शिक्षा, बुनियादी ढांचे और आर्थिक सशक्तिकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने क्षेत्र की आगे की यात्रा के लिए मार्गदर्शक विषय के रूप में *संघर्ष से निर्माण* (संघर्ष से निर्माण तक) पेश किया। बीटीसीएलए के अध्यक्ष और विजन डॉक्यूमेंट कमेटी के अध्यक्ष कटिराम बोड़ो ने अपनी टिप्पणी में सामुदायिक संगठनों से मिली उत्साही प्रतिक्रिया के लिए प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने आश्वासन दिया कि बैठक के दौरान प्राप्त सुझाव और प्रतिक्रिया सीधे नीति निर्माण को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से सांस्कृतिक संरक्षण और समावेशी विकास के संबंध में। समुदाय के प्रतिनिधियों ने चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया, प्रस्तावित संग्रहालय, भाषा शिक्षा को बढ़ाने की आवश्यकता, रोजगार सृजन और स्वास्थ्य सेवाओं पर विचार साझा किए। जहां कई लोगों ने प्रत्येक समुदाय के लिए अलग-अलग कमरों वाले एकीकृत संग्रहालय परिसर का समर्थन किया, वहीं अन्य लोगों ने अलग-अलग स्थानों की वकालत की, जहां न केवल कलाकृतियां, बल्कि पुस्तकालय और सांस्कृतिक केंद्र भी रखे जा सकें। बैठक का समापन बीटीआर सरकार द्वारा विजन दस्तावेज में उल्लिखित लक्ष्यों को साकार करने के लिए सभी समुदायों के साथ मिलकर काम करने की नई प्रतिबद्धता के साथ हुआ।

सीईएम विकास लक्ष्यों ...

सीईएम बोड़ो ने यथार्थवादी और प्रभावशाली शासन के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हमें अपनी योजना को लोगों की आकांक्षाओं के साथ जोड़ना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम जो भी पहल करें, उससे जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव आए। बीटीआर के सभी परिषद विभागाध्यक्षों (सीएचडी) के साथ आयोजित बैठक में बोलते हुए, बीटीसी के प्रधान सचिव आकाश दीप ने परिणामोन्मुखी ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने विभागों से मापने योग्य लक्ष्य अपनाने और योजनाओं को मूर्त परिणामों में बदलने के लिए समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आग्रह किया। बैठक में बोड़ो कछारी कल्याण स्वायत्त परिषद के डिप्टी सीईएम रोमियो पी नारजारी, सीईएम के राजनीतिक सलाहकार माधब छेत्री और बीटीसी के कई अन्य एमसीएलए भी शामिल हुए।

राज्य में रोंगाली...

को मनाने की तैयारियाम जोरों पर हैं। इस साल रोंगाली बिहू त्यौहार 14 और 15 अप्रैल को मनाया जाएगा। इससे पहले, गुवाहाटी में एक बिहू नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया गया था और असम की राजधानी के विभिन्न हिस्सों से लगभग 500 लड़कियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया था। कार्यशाला का आयोजन गुवाहाटी बिहू संमिलन द्वारा चांदमारी मैदान में किया गया था। आयोजकों के अनुसार, इस बिहू नृत्य कार्यशाला के आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को पारंपरिक लोक बिहू नृत्य में प्रशिक्षित करना और उन्हें पारंपरिक असमिया संस्कृति, नृत्य आदि के बारे में जानने के लिए एक मंच प्रदान करना है। पूब गुवाहाटी बिहू संमिलन के महासचिव सिमंत ठाकुरिया ने बताया कि इस बिहू कार्यशाला के लिए 1000 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया है। इस साल पूब गुवाहाटी बिहू संमिलन अपना 64 साल का बिहू उत्सव मनाने जा रहा है। हमने अपनी नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति सिखाने के लिए यह बिहू कार्यशाला आयोजित की है। यह त्यौहार कृषि मौसम की शुरुआत का प्रतीक है और इसे बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। रोंगाली बिहू एक बहु-दिवसीय त्यौहार है जो आम तौर पर सात दिनों तक चलता है, प्रत्येक दिन को *जात बिहू* के रूप में जाना जाता है। इस उत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियाम, पारंपरिक अनुष्ठान और दावत शामिल हैं। रोंगाली बिहू के पहले दिन - मवेशियों को धोया जाता है, और उन्हें ताजी हल्दी, काली दाल आदि का लेप लगाया जाता है, जबकि लोग उनके लिए गाते हैं। उधर इस साल के बिहू को बुनकर समुदाय के लिए एक यादगार उत्सव में बदलने के लिए, असम सरकार ने राज्य भर के 5.64 लाख बुनकरों से 9.25 लाख पारंपरिक *गामोछा* खरीदकर एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए, अपनी तरह की यह पहली पहल स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए सरकार के समर्पण को उजागर करती है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की अगुआई में शुरू की गई यह पहल *विकास भी, विरासत भी* के दृष्टिकोण को दर्शाती है, जिसमें आर्थिक विकास को सांस्कृतिक गौरव के साथ जोड़ा गया है। सीएम शर्मा ने एक्स पर अपडेट साझा करते हुए कहा कि असमिया पहचान और सम्मान का प्रतीक गामोछा सीधे स्थानीय बुनकरों से खरीदा जाएगा और देश भर के नागरिकों को वितरित किया जाएगा, जिससे असम की विरासत को और बढ़ावा मिलेगा। बुनकरों के एक प्रतिनिधि ने बताया कि 7 लाख लोगों को बिहुवान भेजने की पहल से हमें बहुत फ़ायदा हुआ है, क्योंकि सरकार सीधे स्थानीय कारीगरों से खरीद कर रही है। इस कदम से हजारों बुनकरों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जिनमें से कई आजीविका के लिए अपने शिल्प पर निर्भर हैं। असम सरकार ग्रामीण कारीगरों को एक राष्ट्रव्यापी पहल के साथ जोड़कर अपने लोगों के कौशल, समर्पण और परंपरा को उजागर करना चाहती है, साथ ही यह सुनिश्चित करना चाहती है कि बिहू की जीवंत भावना भारत भर के घरों तक पहुंचने वाले प्रत्येक गमोसा में समाहित हो। पारंपरिक असमिया गमोसा को वर्ष 2017 में भौगोलिक संकेत (जी.आई.) टैग प्राप्त हुआ, जो कि वस्तुओं के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999 के अंतर्गत था।

असम बोर्ड 10वीं ...

कर सकते हैं। रिजल्ट देखने के लिए स्टूडेंट्स को अपने क्रेडेशियल का इस्तेमाल करना होगा। बता दें कि असम बोर्ड कक्षा 10 की परीक्षाएं 15 फरवरी से लेकर 3 मार्च 2025 के बीच आयोजित की गई थी। असम बोर्ड की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 22 और 22 जनवरी को आयोजित की गईं। यह परीक्षा दो शिफ्ट में हुई थीं। पहली शिफ्ट में सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक जबकि दूसरी शिफ्ट में यह पेपर दोपहर 1:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित हुए थे। असम बोई 10वीं की परीक्षा में वही स्टूडेंट पास होगा जो सभी सब्जेक्ट में कम से कम 33 नंबर प्राप्त करेगा। इसके अलाबा सभी सब्जेक्ट में मिलाकर कुल उ प्रतिशत मार्क्स बाला ही स्टूडेंट पास होगा। परिणाम की घोषणा होने के बाद विद्यार्थी अपने रोल नंबर का इस्तेमाल करके रिजल्ट चेक कर पाएंगे। साथ ही प्रोविजनल मार्कशीट भी रिजल्ट जारी होने के बाद डाउनलोड होगी। असम बोर्ड कक्षा 10वीं का परिणाम पिछले साल 20 अप्रैल को जारी किया गया था। पिछले SEBA असम बोर्ड कक्षा 10 की परीक्षाएं 16 फरवरी से 4 मार्च के बीच आयोजित की गई थीं। पिछले साल कुल पास प्रतिशत 75.7 प्रतिशत था। पिछले साल पास प्रतिशत 2023 में 72.69 प्रतिशत से बढ़कर 75.7 प्रतिशत हो गया।

असम से अरुणाचल तक...

उन्नत सड़क लोगों और माल दोनों की बेहतर आवाजाही का समर्थन करेगी, जिससे यात्रा तेज और सुरक्षित हो जाएगी। सड़क परिवहन और राजमार्म मंत्रालय ने इस पहल के लिए (050.43 करोड़ आवंटित किए हैं परियोजना का प्रस्ताव मुख्य अभियंता (एनएच), पीडब्ल्यूडी असम द्वारा 5 फरवरी, 2025 को प्रस्तुत किया गया था। कुल राशि में से, 048.80 करोड़ वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मुख्य रुप से पूर्व-निर्माण गतिविधियों के लिए निर्धारित किए गए हैं। परियोजना इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) मॉडल का पालन करेगी, जो बेहतर गुणवत्ता और तकनीकी सटीकता की गारंटी देगी। सड़क को फिर से बनाने के अलावा, इस पहल का उद्देश्य समकालीन परिवहन आवश्यकताओं के साथ संरेखित एक सुरक्षित, अधिक कुशल गलियारा प्रदान करना है। एक सावधानीपूर्वक संरचित वित्तीय योजना यह गारंटी देती है कि सड़क का निर्माण उच्च मानकों के अनुसार किया जाएगा और समय के साथ उचित रखरखाव प्राप्त होगा। कुल बजट में से, 2026 और 2029 के बीच सड़क रखरखाव के लिए विशेष रूप से 01.17 करोड़ निर्धारित किए गए हैं। यह चरणबद्ध रणनीति दीर्घकालिक बुनियादी ढामचे की स्थिरता के लिए सरकार के समर्पण को रेखांकित करती है। सामरिक महत्व (5।1-115 पूर्वोत्तर में सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व वाले दो राज्यों असम और अरुणाचल प्रदेश को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनएच-115 को मजबूत करके सरकार न केवल सड़कों में सुधार कर रही है, बल्कि क्षेत्र के भविष्य में भी निवेश कर रही है - राज्य की सीमाओं के पार गतिशीलता, सुरक्षा और आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रही है।

केंद्र ने तीन शहरों में ...

व्यापक समीक्षा के बाद घोषणा की थी कि गुवाहाटी, डिब्रूगढ़ और तेजपुर सहित भारत भर के 24 शहरों के लिए व्यवहार्यता अध्ययन को मंजूरी दे दी गई है। कोच्चि जल मेट्रो की सफलता भारत की परंपरा और नवाचार को एक साथ लाने की क्षमता का एक शानदार प्रमाण है। यह दर्शाता है कि स्वच्छ, आरामदायक और कुशल जल-आधारित परिवहन किस तरह से शहरी क्षेत्रों में लोगों के आवागमन के तरीके को बदल सकता है, सोनोवाल ने कोच्चि प्रणाली के प्रमुख टर्मिनलों का दौरा करने के बाद कहा। कोच्चि में भारत की पहली एकीकृत जल मेट्रो को पहले से ही अनुकरण के एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें किफायतीपन और दक्षता का मिश्रण है। इस प्रणाली के असम तक प्रस्तावित विस्तार से अंतिम मील तक सम्पर्कता को बढ़ावा मिलने, यातायात का बोझ कम होने तथा राज्य के प्रमुख शहरी केंद्रों में पारंपरिक परिवहन के लिए एक पर्यावरण अनुकूल विकल्प उपलब्ध होने की उम्मीद है। इस पहल को एक टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन मॉडल बताते हुए सोनोवाल ने कहा कि प्रस्तावित अध्ययन से भीड़भाड़ कम करने, हरित आवागमन को बढ़ावा देने और भारत के ऐतिहासिक जलमार्गों को पुनर्जीवित करने के लिए रोडमैप तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि जल मेट्रो की अवधारणा नदी नौवहन की हमारी सभ्यतागत विरासत में निहित है, जिसे अब अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और यात्री-अनुकूल सुविधाओं के साथ आधुनिक बनाया गया है। कोच्चि वाटर मेट्रो की आगंतुक पुस्तिका में लिखे संदेश में सोनोवाल ने इस सेवा को *अद्वितीय* बताया तथा कहा कि इसने जल यात्रा को और अधिक रोमांचक, आरामदायक और आनंददायक बना दिया है।

जैन साहित्य भारत ...

डिजिटल बनाने की योजना साझा की, जिससे पुरातनता को आधुनिकता से जोड़ा जा सके। उन्होंने इस पहल को अमृत संकल्प बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि नया भारत आध्यात्मिकता के साथ दुनिया का मार्गदर्शन करते हुए एआई के माध्यम से संभावनाओं की खोज करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैन धर्म वैज्ञानिक और संवेदनशील है, जो अपने मूल सिद्धांतों के माध्यम से युद्ध, आतंकवाद और पर्यावरण संबंधी मुद्दों जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करता है। अनेकांतवाद में विश्वास युद्ध और संघर्ष की स्थितियों को रोकता है, दूसरों की भावनाओं और दृष्टिकोणों की समझ को बढ़ावा देता है। उन्होंने दुनिया को अनेकांतवाद के दर्शन को अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि वैश्विक संस्थाएं अब भारत की ओर देख रही हैं क्योंकि इसकी प्रगति ने दूसरों के लिए रास्ते खोले हैं। उन्होंने इसे जैन दर्शन परस्परोपग्रहो जीवनम् से जोड़ा, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि जीवन परस्पर सहयोग पर आधारित है। उन्होंने कहा कि इस दृष्टिकोण ने भारत से वैश्विक उम्मीदें बढ़ा दी हैं और राष्ट्र ने अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। मोदी ने सामूहिक नवकार मंत्र के जाप के बाद सभी से नौ संकल्प लेने का आग्रह किया। पहला संकल्प जल संरक्षण था, उन्होंने बुद्धि सागर महाराज के शब्दों को याद किया, जिन्होंने 100 साल पहले भविष्यवाणी की थी कि पानी दुकानों में बेचा जाएगा। उन्होंने पानी की हर बूंद का महत्व समझने और उसे बचाने की आवश्यकता पर बल दिया। दूसरा संकल्प मां के नाम पर एक पेड़ लगाना है। उन्होंने हाल के महीनों में 100 करोड़ से अधिक पेड़ लगाए जाने का उल्लेख किया और सभी से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने और उनके आशीर्वाद की तरह उसका पालन-पोषण करने का आग्रह किया।

असम-नगालैंड सीमा...

के नगाओं ने एक असमिया युवक को बांस चोरी करने के आरोप में पकड़ लिया। गांव की महिलाओं ने उसे डराया-धमकाया और बंदूक दिखाकर गोली मारने की धमकी दी। हालांकि, आदिवासी समुदाय के उस युवक ने किसी तरह वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। उल्लेखनीय है कि कलाजान क्षेत्र में नगालैंड और असम के बीच स्पष्ट सीमा रेखा नहीं होने के कारण स्थानीय लोग बांस काटने पहाड़ी इलाके की ओर जाते हैं। इसी दौरान यह घटना घटी। इसके बाद नगा समुदाय ने उस युवक पर बांस चोरी का आरोप लगाते हुए सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया। बताया जा रहा है कि 2023 में लुंगचिरी और इंपांग गांवों के बीच बसे इस जुजुम यान गांव के नगा निवासी इस क्षेत्र को नगालैंड का हिस्सा मानते हैं। इतना ही नहीं, जुजुम यान गांव के नगाओं ने लंबे समय से असम के जोरहाट जिले के पानीखेती इलाके पर कब्जा जमाने की कोशिश की है। दो बार वे वहां घर बनाकर बसने का प्रयास कर चुके हैं, जिसे बड़होल पुलिस ने नाकाम करते हुए उनके बनाए घरों को ढहा दिया था। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने दिसंबर 2023 में सीमा विवादित क्षेत्रों में यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया था। बावजूद इसके, नगालैंड के उपमुख्यमंत्री वाई पतन ने उसी विवादित जमीन पर जुजुम यान गांव की स्थापना कर उसका उद्घाटन किया। अब, नगा पुलिस द्वारा सीमा के निकट सुरक्षा कैंप स्थापित किए जाने और स्थानीय नगाओं की *हम बंदूक चलाएंगे* जैसी धमकियों के बाद असम-नगालैंड सीमा क्षेत्र के लोगों में दहशत का माहौल है।

बिहार में वज्रपात ...

चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हुई है और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। बलिया थाना क्षेत्र के भगतपुर गांव में 50 वर्षीय बिरल पासवान की मौत हो गई है, जबकि उनकी पत्नी जितन देवी गंभीर रूप से झुलस गई हैं। पत्नी को बलिया पीएचसी में भर्ती कराया गया है। यह दंपति खेत से भूसा लेकर आ रहे थे, तभी अचानक आसमान से गिरी बिजली की चपेट में आ गए। दूसरी घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के मोहनपुर ढाब बहियार में हुई, जहां महादलित टोला नवटोलिया की रहने वाली 60 वर्षीय इंदिरा देवी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तीसरी घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कोला बहियार में हुई, जहां सूजा गांव के निवासी 45 वर्षीय पंकज महतो खेत से लौटते समय अचानक हुए वज्रपात से जान गंवा बैठे। चौथी घटना मटिहानी के सिंहमा गांव में हुई, जहां सिंहमा गांव के वार्ड-4 निवासी 80 वर्षीय जनार्दन महतो की आकाशीय बिजली गिरने मौत हो गई।

कांग्रेस प्रत्याशियों को नामांकन से रोकने का एपीसीसी ने लगाया आरोप

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने बुधवार को आरोप लगाया कि आगामी पंचायत चुनावों में उनके संभावित प्रत्याशियों को सत्तारूढ़ दल के नेताओं और उनके समर्थित गुंडों द्वारा गंभीर रूप से डराया-धमकाया जा रहा है। गुवाहाटी स्थित राजीव भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में पूर्व सांसद व वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम प्रसाद शर्मा ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 2 और 7 मई को होने वाले पंचायत चुनावों में कांग्रेस प्रत्याशियों को नामांकन पत्र दाखिल न करने देने के लिए सरकारी तंत्र और भाजपा समर्थक तत्वों द्वारा डर का माहौल बनाया जा रहा है। शोणितपुर और विश्वनाथ जिलों में भाजपा समर्थकों ने कांग्रेस प्रत्याशियों को आवश्यक दस्तावेज लाने से रोका और हथियार दिखाकर धमकी दी। शर्मा ने बताया कि इस संदर्भ में शोणितपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दादुल बरकटकी और महासचिव राजेश पांडे ने जिला आयुक्त और पुलिस अधीक्षक को शिकायत सौंपी है। मामले में जामुगुड़ी थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है, लेकिन पुलिस ने न तो सुरक्षा दी है और न ही दोषियों पर कार्रवाई की है। उन्होंने आरोप लगाया कि नदुआर के पांचमाइल और चकीघाट क्षेत्रों में कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशियों को दस्तावेज एकत्र करने में बाधा दी जा रही है। गहपुर अनुमंडल और गुवाहाटी के रानी इलाके में भी कांग्रेस प्रत्याशियों को धमकाने की शिकायतें सामने आई हैं। शर्मा ने कहा कि भाजपा के खिलाफ जनाक्रोश की लहर को देखते हुए सत्ताधारी दल पंचायत चुनाव में हार के डर से विपक्षी उम्मीदवारों को डराने में लगा है। उन्होंने राज्य निर्वाचन आयोग और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से हस्तक्षेप की मांग करते हुए निष्पक्ष और स्वतंत्र पंचायत चुनाव की अपील की। इस संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस के उपाध्यक्ष मेहदी आलम बोरा भी मौजूद थे।

जोराबाट-खानापाड़ा एनएच-27 पर ट्रैफिक एडवाइजरी, मार्ग परिवर्तन

गुवाहाटी (हिंस)। एनएच-27 के जोराबाट से खानापारा सेक्शन पर एनएचएआई द्वारा पीक्यूसी पैनल प्लेसमेंट का कार्य जारी है। बारिश से पहले कार्य पूरा करने के लिए यह ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। ऊपरी असम से गुवाहाटी आने वाले सभी मालवाहक वाहन कलियाबोर तिनिआली से डायवर्ट किए जाएंगे। नया मार्ग होगा: कलियाबोर-शोणितपुर-दरंग-बाईहाटा चारिआली। नगांव, मोरीगांव और मेघालय से गुवाहाटी की ओर आने वाले मालवाहन केवल रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक शहर में प्रवेश कर सकेंगे। ऊपरी असम से आने वाले हल्के वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग डिगारू-आमसिंग-आर्मी कैंप-पाथरक्वारी, डिगारू-चंद्रपुर-पानीखाईटी-नारेंगी, सामता-मायोंग-चंद्रपुर-पानीखाईटी-नारेंगी।

बिहू से पहले मालीगांव में पावरलूम गामोछा के खिलाफ हैंडलूम विभाग की छापेमारी

गुवाहाटी (हिंस)। बिहू उत्सव से ठीक पहले असम के गर्व *गामोछा* को लेकर चल रहे नकली कारोबार के खिलाफ हैंडलूम और टेक्सटाइल विभाग ने कड़ा कदम उठाया है। बुधवार को विभाग की एक विशेष टीम ने मालीगांव क्षेत्र के कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और दुकानों में छापेमारी कर 200 से अधिक पावरलूम से बने गामोछे जब्त किए। इस छापेमारी अभियान में हैंडलूम विभाग के अधिकारी कृष्णा मणि कलिता, प्रतुल दास, अंजलि दास, स्वप्न चौधुरी और सूरज प्रधान सहित अन्य अधिकारी शामिल थे। यह अभियान मालीगांव के कई दुकानों में चलाया गया- जैसे: सानवी, भाग्यश्री फैशन, मातृ सिलेक्शन, न्यू इकोनॉमिक्स स्टोर आदि। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार पहले ही एक अधिसूचना जारी कर स्पष्ट कर चुकी है कि मशीन से बने यानी पावरलूम से बने गामोछा कोई व्यापारी नहीं बेच सकता। इसके बावजूद, बाहरी राज्यों में निर्मित गामोछों का व्यापार अब भी राज्य के बाजारों में जारी है। इस संबंध में हैंडलूम और टेक्सटाइल विभाग ने बताया कि पावरलूम गामोछा बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और इस तरह की छापेमारी अभियान जारी रहेगा। बिहू से पहले इन अभियानों को और अधिक तीव्र गति से चलाने की योजना है। विभाग ने असमवासियों से अपील की है कि वे बाहरी राज्यों से लाए गए पावरलूम गामोछे का उपयोग न करें और असमिया अस्मिता के इस प्रतीक का अपमान न करें।

पटवारी का फर्जी सहायक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

हरिद्वार (हिंस)। देहरादून विजिलेंस की टीम ने महिला पटवारी के फर्जी सहायक अनुज कुमार को साढ़े चार हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी अनुज कुमार स्वयं को पटवारी भारती का सहायक बताकर लोगों से अवैध वसूली कर रहा था। जानकारी के मुताबिक शिकायतकर्ता ने विजिलेंस टोल फ्री नंबर 1064 पर शिकायत दर्ज कराई थी। बताया कि उसने खरीदे गए भूखंड का नामांतरण करने के लिए उसकी पत्नी के नाम से एक प्रार्थना पत्र तहसील में दाखिल किया गया था। इस प्रक्रिया के लिए महिला पटवारी लगातार रिश्वत की मांग की जा रही थी। इसके बाद विजिलेंस की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। बुधवार को तहसील हरिद्वार परिसर में पटवारी के फर्जी सहायक के रूप में कार्य कर रहे अनुज कुमार को 4, 500 की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ा गया।

संगीतमय णमोकार महामंत्र जप कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। श्री दिगंबर जैन पंचायत गुवाहाटी और सकल जैन समाज ने महावीर स्थल में संगीतमय णमोकार महामंत्र जप कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें ढाई हजार से भी अधिक पुरुष और महिलाओं ने एक ही गणवेश में संगीत की धुन पर णमोकार महामंत्र का डेढ़ घंटे तक जप किया। इस कार्यक्रम में असम सरकार के अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री नंदिता गार्लोसा ने डेढ़ घंटे के इस कार्यक्रम में भक्ति भाव से उपस्थित होकर संबोधित करते हुए कहा कि णमोकार महामंत्र का प्रातः काल घर में जप करने से पूरे परिवार के लिए शुभ होता है। जबकि सकल जैन समाज ने तो पूरे विश्व के 108 देश में एक साथ और एक समय पर यह जप करके पूरे विश्व का कल्याण कर दिया है। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष महावीर जैन, सचिव वीरेंद्र सरावगी, जैन पंचायत के चैयरमेन महावीर प्रसाद छाबड़ा, नेशनल कमिशन ऑफ माइनॉरिटी के सलाहकार मनीष छाबड़ा ने मंत्री नंदिता गार्लोसा को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया। महावीर स्थल में दिगंबर जैन पंचायत, जैन यूथ फेडरेशन, दिगंबर जैन महिला समिति, रेहाबाड़ी जैन समाज, केदार रोड जैन चैत्यालय, आठगांव जैन चैत्यालय, दिगंबर जैन विद्यालय के छात्रों ने भाग लिया।

10 साल की बच्ची बाल श्रम से मुक्त, जापोरिगोग से रेस्क्यू

गुवाहाटी (हिंस)। बाल श्रम के खिलाफ एक अहम कार्रवाई में कामरूप (मेट्रो) जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू) ने जिला प्रशासन के सहयोग से जापोरिगोग इलाके से 10 साल की एक बच्ची को रेस्क्यू किया। जिला प्रशासन ने बुधवार को एक बयान में बताया है कि अधिकारियों के अनुसार, बच्ची को अवैध रूप से अली असगर खान नामक व्यक्ति के घर घरेलू सहायिका के रूप में काम पर रखा गया था। मामले की सूचना मिलते ही बीते सोमवार को डीसीपीयू ने तुरंत हस्तक्षेप किया और बच्ची की सुरक्षा व देखभाल सुनिश्चित की। दिसपुर थाना में खान के खिलाफ बाल श्रम और शोषण से संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। प्रशासन ने बताया कि मामले की जांच जारी है और दोषी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीआरपीएफ की 129वीं बटालियन ने मनाया शौर्य दिवस

कोकराझाड़ (हिसं)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 129वीं वाहिनी द्वारा कोकराझाड़ स्थित प्रसार भारती कांप्लेक्स में आज शौर्य दिवस विधिवत रूप से मनाया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम 129वीं वाहिनी के उप. कमांडेंट संजीव कुमार द्वारा शहीद स्मारक पर शहीदों को सलामी दी गई तथा माल्यार्पण कर नमन किया गया। साथ ही क्वार्टर गार्ड पर सलामी दी गई। संजीव कुमार ने शौर्य दिवस के इस गौरवमयी अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के बहादुर जवानों द्वारा गुजरात के रन ऑफ कच्छ में पाकिस्तानी सेना द्वारा किये गए आक्रमण के विरुदध दिखाए गए अदम्य साहस एवं पराक्रम के बारे में उपस्थित सभी जवानों को विस्तृत जानकारी दी। इसके उपरांत उपस्थित सभी राजपत्रित अधिकारी, अधिनस्थ अधिकारी एवं अन्य रैंक द्वारा देश की एकता और अखंडता की रक्षा करने की शपथ ली गई एवं इस अवसर पर 129 बटालियन के क्षेत्राधिकार में निवासरत शहीद सिपाही/ जीडी सहदेव चन्द्र रॉय की पत्नी शैवाली रॉय को आमंत्रित करके मुख्य अतिथि द्वारा बटालियन के जवानों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

गोलकगंज एसबीआई ग्राहक से 4.37 लाख लूटने वाला गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। गोलकगंज के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) शाखा में ग्राहक से लाखों रुपए लूटने के आरोपी मनीष ग्वाला आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि धुबड़ी जिले के गोलकगंज थाना पुलिस की एक टीम ने पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले के खाटापुखुरी इलाके में बंगाल पुलिस की मदद से उसे गिरफ्तार किया। उल्लेखनीय है कि 20 मार्च को मनीष ग्वाला ने गोलकगंज एसबीआई के भीतर से हितेश राय नामक ग्राहक का 4 लाख 37 हजार 500 रुपए से भरा बैग कथित रूप से लूट लिया था। पूरी घटना बैंक के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई थी। हितेश राय, जो गोलकगंज बाजार में हिटाची एटीएम का संचालन कर रहे थे और उस समय बैंक कर्मी से बात कर रहे थे, जब ग्वाला ने पीछे से आकर बैग उड़ाया और फरार हो गया।

राज्यपाल असम कृषि विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुए

गुवाहाटी। असम के राज्यपाल और असम कृषि विश्वविद्यालय (ए) के कुलाधिपति श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज जोरहाट में एए परिसर में डॉ. माधब चंद्र दास मेमोरियल ऑडिटोरियम में आयोजित विश्वविद्यालय के 25वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। अपने संबोधन में राज्यपाल श्री आचार्य ने भारत की विरासत और कृषि के बीच गहरे संबंध को रेखांकित किया, देश की कृषि प्रथाओं को परिभाषित करने वाले प्राचीन ज्ञान पर विचार किया। राज्यपाल ने संस्कृत में एक श्लोक का हवाला देते हुए कहा कि सभी पदार्थों में भोजन सर्वोच्च है; इसलिए इसे सभी दवाओं का मूल माना जाता है। इसलिए उन्होंने अनुसंधान और विकास के अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से बेहतर गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादन का उत्पादन करने में असम कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निभाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका को दोहराया। उन्होंने खाद्य और कृषि के संदर्भ में पारंपरिक ज्ञान, विशेष रूप से आयुर्वेद के महत्व पर भी जोर दिया। भारत के कृषि परिदृश्य की विविधता पर प्रकाश डालते हुए, श्री आचार्य ने बताया कि देश का खेती के प्रति दृष्टिकोण उसके क्षेत्रों और मौसमों के आधार पर काफी भिन्न है। भारत के 15 कृषि-जलवायु क्षेत्र इस विविधता को दर्शाते हैं, जो भारत की कृषि पहचान और ताकत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। राज्यपाल ने प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषि को आधुनिक बनाने के लिए पिछले दशक में देश द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कदमों को भी स्वीकार किया। उन्होंने मृदा स्वास्थ्य कार्ड, ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी पहलों पर प्रकाश डाला, जो किसानों को सूचित निर्णय लेने और तेजी से प्रौद्योगिकी-संचालित दुनिया में समृद्ध होने में मदद करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। आत्मनिर्भरता के विषय पर बात करते हुए, श्री आचार्य ने दोहराया कि कृषि क्षेत्र *आत्मनिर्भर भारत* के दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कृषि विकास और किसानों की समृद्धि के लिए उनकी प्रतिबद्धता के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की सराहना की। राज्यपाल ने विशेष रूप से *मुख्यमंत्री कृषि सा-सजुली योजना* का उल्लेख आधुनिक उपकरणों के उपयोग के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में किया। असम के किसानों की दृढ़ता पर संतोष व्यक्त करते हुए, श्री आचार्य ने चुनौतियों पर विजय पाने में उनकी सफलता और असम के चाय, माजुली चावल, तेजपुर लीची और जोहा चावल जैसे उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर पहचान मिलने जैसी उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान), प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (फसल बीमा योजना) सहित कई किसान-केंद्रित पहल शुरू करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की भी प्रशंसा की, जो पूरे भारत में कृषि क्षेत्र को आगे बढ़ा रहे हैं। राज्यपाल श्री आचार्य ने कृषि अनुसंधान, नवाचार और शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए असम कृषि विश्वविद्यालय की भी सराहना की। उन्होंने न केवल असम बल्कि पूरे पूर्वोत्तर में कृषि के भविष्य को आकार देने में विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना की। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2024 में इसकी रैंकिंग से एएयू की प्रतिष्ठा और भी बढ़ गई है – कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संस्थानों में 14वां और राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में 8वां स्थान। श्री आचार्य ने स्नातक छात्रों से जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर स्थायी कृषि समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया, जो वैश्विक कृषि के लिए एक बढ़ता हुआ खतरा है। उन्होंने उनसे जलवायु-लचीली खेती और बेहतर जल प्रबंधन प्रौद्योगिकियों जैसे बदलते मौसम पैटर्न के खिलाफ लचीलापन बढ़ाने वाले नवाचारों को विकसित करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने स्नातकों को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग किसानों, समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए करने के लिए प्रोत्साहित किया, युवा शक्ति की भावना को मूर्त रूप दिया जो भारत को कृषि में समृद्ध और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जाने में मदद करेगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों से अधिक ऊंचाइयों को छूने और देश के शीर्ष कृषि विश्वविद्यालयों में से एक बनने की दिशा में काम करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वविद्यालय को इसके परिवर्तन में मदद करने के लिए अपना पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि पद्मश्री जादव पाएंगे और डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन को मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई और आज 548 छात्रों ने अपनी डिग्री प्राप्त की। इस अवसर पर कृषि मंत्री अतुल बोरा, असम कृषि आयोग के अध्यक्ष डॉ. हरि शंकर गुप्ता, असम कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिद्युत चंद्र डेका, विश्वविद्यालय के कार्यकारी और शैक्षणिक परिषद के सदस्य, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर और विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित थे।

ग्वालपाड़ा के शिमलिटोला में ड्रग्स के खिलाफ ऑपरेशन में एक गिरफ्तार

नगरबेरा (विभास)। गोलपाड़ा जिले के माटीया पुलिस थाने के तहत आने वाले नवागत शिमलिटोला बाजार इलाके में कल रात मादक पदार्थ से लदे 36 कंटेनर जब्त किए गए और एक मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया गया। यह पता चला है कि नवागत शिमलिटोला क्षेत्रीय अरुणोदय क्लब, बाजार समिति के एक अनुभाग और ग्राम सुरक्षा बल के दो सचिवों के नेतृत्व में एक गुप्त सूचना के आधार पर, उसे बाजार क्षेत्र में जॉयनल अली के किराए के घर में किरायेदार कपिल उद्दीन (32) से उक्त ड्रग्स समेत पकड़ा गया । बाद में मटिया थाना प्रभारी सुकेश घोष के नेतृत्व में और नवागत शिमलिटोला मार्केट पुलिस की मदद से मौके पर पहुंचे और कपिल उद्दीन को गिरफ्तार कर लिया गया उसके साथ 8,000 रुपए नकद और 23.88 ग्राम ड्रग्स सहित एक मोबाइल फोन जब्त किया गया। गिरफ्तार कुख्यात ड्रग पेडलर कपिल उद्दीन बरपेटा जिले के आलोपतिचर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत माजरचर गांव का रहने वाला है। गौरतलब है कि लोगों के एक वर्ग ने आरोप लगाया है कि जोयनल अली के परिसर में लंबे समय से विभिन्न असामाजिक गतिविधियां चल रही हैं और उसे भी आईनी प्रक्रिया में बंद करने की मांग की स्थानीय लोगों ने।

मंगलदै के नामखोला में मारवाड़ी अस्पताल ने लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी हॉस्पिटल आठगांव गुवाहाटी के सौजन्य से मंगलदेई के नामखोला में मारवाड़ी अस्पताल ने निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर सुबह 9.30 बजे शुरू हुआ और दोपहर 2 बजे समाप्त हुआ। शिविर में 186 लाभार्थी शामिल हुए, जिनमें से अधिकांश नामखोला के निवासी थे। कुल मिलाकर यह एक अद्भुत शिविर था और नामखोला के निवासी मारवाड़ी अस्पताल के इस कदम से अभिभूत थे। निःशुल्क दवा वितरण; निःशुल्क रक्तचाप और शुगर जांच, निःशुल्क डॉक्टर परामर्श शिविर के मुख्य आकर्षण थे। स्वास्थ्य शिविर हमेशा समाज में उनकी सामान्य स्वास्थ्य स्थिति और स्वच्छता के संबंध में सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। समाज तक पहुंचने के लिए अस्पताल का छोटा सा प्रयास समाज के बड़े हिस्से को बीमारियों के प्रति अधिक जागरूक और सचेत बनने और अपने स्वास्थ्य के प्रति एहतियात बरतने में मदद कर सकता है। मारवाड़ी अस्पताल का लक्ष्य निकट भविष्य में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करना है, ताकि जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवा और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के उपलक्ष में प्रभात फेरी व विश्व णमोंकार महामंत्र जाप का आयोजन

गुवाहाटी। हर वर्ष की भांति इस साल भी भगवान महावीर के जन्म कल्याणक के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंगलवार से शुरू तीन दिवसीय महोत्सव के दूसरे दिन पुखराज पांडया के संयोजन में स्थानीय फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल मे प्रातः 6:00 बजे प्रभात फेरी निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में सकल जैन समाज की महिलाओं, पुरुषों एवं बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रभात फेरी के पश्चात विश्व णमोकार महामंत्र दिवस के उपलक्ष में णमोकार महामंत्र जाप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर असम सरकार में अल्पसंख्यक कल्याण एवं विकास मंत्री *नंदिता गाडलोशा* के अलावा मनीष छाबड़ा (एडवाइजर एनसीए, असम) भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में जैन समाज गुवाहाटी सहित आठगांव, केदार रोड, मालीगांव, रिहाबाडी, पांडू, दिसपुर आदि चैत्यालय के कार्यकारिणी के सदस्य के अलावा दिगंबर जैन समाज गुवाहाटी के अध्यक्ष महावीर जैन (गंगवाल), चैयरमेन महावीर प्रसाद छाबड़ा, मंत्री वीरेंद्र कु.सरावगी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सेठी, कमल कु. गंगवाल, संयुक्त मंत्री जय कु. छाबड़ा, निरंजन कु. गंगवाल, किशोर काला, रामचंद्र सेठी, अशोक कु. छाबड़ा, ताराचंद ठोलिया, संजय रारा आदि के अलावा श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन, श्री दिगंबर जैन महिला समिति कि सदस्याओ का सरहानीय सहयोग रहा। इससे पूर्व कार्यक्रम के प्रथम दिन मंगलवार को फैंसी बाजार स्थित श्री दिगंबर जैन(बड़ा) मंदिर में प्रातः 5.30 बजें सुमतिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक पर्व बनाया गया। तत्पश्चात भगवान महावीर की विशेष पूजा अर्चना की गई। जिसमें समाज के बच्चे, पुरुष एवं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में भाग लिया। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन गुरुवार को श्रीजी का कलशाभिषेक, आरती व सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगा। यह जानकारी समाज के प्रचार प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी एवं सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।।

चार दिवसीय श्री हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी पुरी, कलश यात्रा आज

नगांव (निसं)। श्री हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति, नगांव के तत्वाधान में आगामी 12 अप्रैल से 15 अप्रैल तक चार दिवसीय विराट मेले का आयोजन हैबरगांव के धिंग रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में बड़े ही धूमधाम से गत वर्षों की भांति आयोजित किया जा रहा है। चार दिवसीय मूल कार्यक्रम के अतिरिक्त वृहस्पतिवार को कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत ब्रह्मपुत्र नद का जल सिलघाट से लाकर श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर मे रखा जाएगा। तत्पश्चात कलशो में जल भरकर नेहरू वाली स्थिति श्री कृष्णश्रम शिव मंदिर प्रांगण से आरंभ होकर श्री हनुमान मंदिर तक कलश यात्रा निकाली जाएगी। इससे पूर्व नेहरू वाली स्थित श्री कृष्णाश्रम शिव मंदिर में कलश तथा जल की विधिवत पूजा अर्चना एवं आरती की जाएगी। इस समय श्रीराम दरबार की सजीव झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। इसी जल तथा दूध, दही, शहद, शक्कर एवं अन्य सामग्रियों से बाबा का महाभिषेक कर पंचामृत का प्रसाद भक्तों में वितरित किया जाएगा। शनिवार से श्री हनुमान जन्मोत्सव के चार दिवसीय मूल कार्यक्रम की सभी तैयारिया पूर्ण कर ली गई है। मंदिर परिसर तथा अंजनी पुत्र श्री हनुमान जी के विग्रह को भी विशेष रूप से फूलों से सजाया जा रहा है। मंदिर के आसपास के इलाके को रंग बिरंगी विद्युत की रोशनी एवं सजावट के साथ पूरे इलाके को दुल्हन की तरह सजाया गया है। श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष प्रहलादराय तोदी एंव सचिव राजेन्द्र मुंदडा ने धर्म प्रेमियो से अनुरोध किया है कि सभी कार्यक्रमो उपस्थित होकर महोत्सव की गरिमा बढ़ाएं।

संपादकीय

भारत में मंदी नहीं

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ वार से दुनिया के देशों में हाहाकार, कोहराम मचा है। शेयर बाजार औंधे मुंह गिर रहे हैं। भारत की सूचीबद्ध कंपनियों के, एक ही दिन में, 14 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूब गए। आकलन है कि इसी सत्र में भारतीय बाजार के 50-60 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ताइवान आदि देशों में भी निवेश स्वाहा हुए हैं, लिहाजा निवेशक अपना शेष धन बचाने के लिए इधर-उधर प्रयासरत हैं। करीब 50 देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की पेशकश की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब अमरीका ने नहीं दिया है। हालांकि टैरिफ वार के बाद अमरीकी कंपनियों का मार्केट कैप भी करीब 516 लाख करोड़ रुपए (करीब 6 लाख करोड़ डॉलर) घट चुका है। यह राशि भारतीय जीडीपी से डेढ़ गुणा ज्यादा के करीब है। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा संभव है कि वह इस नुकसान की भरपाई जल्द ही कर ले! हालात ऐसे बन गए हैं कि अमरीका में ही आर्थिक मंदी की आशंका 35 फीसदी से बढ़ कर 45 फीसदी हो गई है। बहरहाल अमरीका में जन-सैलाब सडक़ों पर उमड़ा है। लोग राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ के साथ-साथ अन्य नीतियों का भी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। भीड़ के निशाने पर खरबपति अमरीकी एलन मस्क भी हैं। उनकी टेस्ला कारें जलाई जा रही हैं। ट्रंप जनवरी, 2025 में ही दूसरी बार अमरीका के राष्ट्रपति पद पर आसीन हुए हैं। इतनी जल्दी उनकी लोकप्रियता के पतन को देखकर हर कोई हैरान है। शायद ऐसा किसी भी अमरीकी राष्ट्रपति के संदर्भ में नहीं हुआ! बेशक टैरिफ वार का प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ेगा, लिहाजा अमरीका के मित्र माने जाने वाले यूरोप और नाटो देश भी राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ लामबंद हो रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन सरीखी अंतरराष्ट्रीय पंचायतों पर भी प्रहार किए हैं और वह वैश्वीकरण की धारणा और व्यवस्था को ही खत्म करने पर आमादा हैं, नतीजतन दुनिया की स्थापित 'सप्लाई चेन' भी खंडित होगी, लिहाजा नए व्यापारिक समीकरण बनेंगे और नई सप्लाई चेन भी स्थापित हो सकती है। अलबत्ता निर्यात कम होंगे। मांग कम होगी। मंदी के आसार बनेंगे। सरकारों को तैयार हो जाना चाहिए। यदि देश अमरीका पर ही टैरिफ लगाते हैं और अन्य देशों पर पहले जैसा ही टैरिफ वसूलते हैं, तो उसके परिणाम अलग होंगे। अमरीका के टैरिफ प्रहार पर फिलहाल भारत सरकार खामोश और निश्चिंत लग रही है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय आगामी 6 सप्ताह तक टैरिफ वार के चौतरफा प्रभावों का विश्लेषण करना चाहता है। बेशक भारत के कारोबार और अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा, लेकिन आर्थिक मंदी की बात करना या दुष्प्रचार करना गलत है। भारत में घरेलू बाजार, मांग और खपत व्यापक है। हम अमरीका को निर्यात के ही भरोसे नहीं हैं, क्योंकि भारत बड़ा निर्यातक देश नहीं है। हमारी जीडीपी में माल निर्यात की हिस्सेदारी मात्र 10 फीसदी है। जीडीपी का मात्र 2 फीसदी ही अमरीका की टैरिफ नीति से प्रभावित होगा। भारत मुख्यतः 'सर्विस इकोनॉमी' है। जीडीपी में सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 65 फीसदी है। अमरीका को जो सेवा-निर्यात किया जाता है, उस पर टैरिफ बढ़ाया नहीं गया है, लिहाजा इस 'ट्रेड वार' से लगभग मुक्त रहेगा। भारत घरेलू मांग पर आधारित अर्थव्यवस्था है, लिहाजा कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान भी हमने खाद्य-संकट महसूस नहीं किया। अब भी संभावना यही है कि अमरीका और चीन के बीच टैरिफ-युद्ध के आसार के मद्देनजर बड़े विदेशी निवेशक भारत में लौट सकते हैं। बहरहाल मंदी के आसार न भी हों, लेकिन व्यापारिक खौफ और अंतरराष्ट्रीय मांग के कम होने के कारण हमारे ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी, धातु, फार्मा और ऊर्जा के बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में गिरावट देखी गई है। भारत को 'पलटवार टैरिफ' लगाना चाहिए।

भारत की सूचीबद्ध कंपनियों के, एक ही दिन में, 14 लाख करोड़ रुपए से अधिक डूब गए। आकलन है कि इसी सत्र में भारतीय बाजार के 50-60 लाख करोड़ रुपए डूब चुके हैं। भारत के अलावा चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, हांगकांग, ताइवान आदि देशों में भी निवेश स्वाहा हुए हैं, लिहाजा निवेशक अपना शेष धन बचाने के लिए इधर-उधर प्रयासरत हैं। करीब 50 देशों ने राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत की पेशकश की है, लेकिन अभी तक कोई ठोस जवाब अमरीका ने नहीं दिया है। हालांकि टैरिफ वार के बाद अमरीकी कंपनियों का मार्केट कैप भी करीब 516 लाख करोड़ रुपए (करीब 6 लाख करोड़ डॉलर) घट चुका है। यह राशि भारतीय जीडीपी से डेढ़ गुणा ज्यादा के करीब है। चूंकि अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लिहाजा संभव है कि वह इस नुकसान की भरपाई जल्द ही कर ले! हालात ऐसे बन गए हैं कि अमरीका में ही आर्थिक मंदी की आशंका 35 फीसदी से बढ़ कर 45 फीसदी हो गई है। बहरहाल अमरीका में जन-सैलाब सडक़ों पर उमड़ा है। लोग राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ के साथ-साथ अन्य नीतियों का भी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। भीड़ के निशाने पर खरबपति अमरीकी एलन मस्क भी हैं।

देश की संसद ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को पारित कर दिया

कमजोर मोदी का मजबूत निर्णय

डॉ राकेश कुमार आर्य

सचमुच 2 अप्रैल 2025 का दिन भारत के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों से लिखे जाने योग्य है। क्योंकि इस दिन देश की संसद ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल को पारित कर दिया है। ध्यान रहे कि इस विध्वंसकारी और देश विरोधी कानून को देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1954 में देश की संसद से पारित करवाया था। नेहरू जी ने इस बात पर तनिक भी विचार नहीं किया था कि सांप्रदायिक आधार पर देश का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग की नीतियों और विचारों को अब देशहित स्वीकार नहीं किया जा सकता? उसके बाद 1995 में इस कानून को और भी अधिक मजबूत बनाकर देश विरोधी लोगों को नई ऊर्जा प्रदान की गई। देश के संविधान की मूल भावना के विपरीत जाकर एक वर्ग विशेष या संप्रदाय विशेष को उसकी धार्मिक मान्यताओं को बलवती करने के लिए प्रोत्साहित करना पूर्णतया असंवैधानिक कृत्य था। परंतु कानून बनाकर इसे संवैधानिक घोषित कर दिया गया। इस विषय में प्रारंभ में नेहरू जी ने अंग्रेजों की नीति का अनुकरण किया। जी हां, उन्हीं अंग्रेजों की नीतियों का जिन्होंने मुगल काल में अनैतिक ढंग से काटी जाती रही गायों की हिंदुओं के द्वारा जब आलोचना होते हुए देखी तो 1707 में इस संबंध में एक विशेष कानून लाकर देश में गायों का कत्लगाह बनाने का कानून पारित किया। जिसमें प्रतिदिन 32 से 35000 गाएं काटी जाती थीं, इस प्रकार उन्होंने एक अनैतिक कार्य को वैधानिक बना दिया। नेहरू जी ने भी मुस्लिमों की सांप्रदायिक मान्यताओं के आधार पर उनके द्वारा दूसरों की जमीन पर जबरन कब्जा करने के अधिकार प्रदान कर पूर्णतया अनैतिक परंतु वैधानिक कदम उठाकर देश विरोधी शक्तियों को मजबूत करने का काम किया। अनैतिक कार्य को वैधानिक बनाकर राष्ट्र निर्माता बनना कोई नेहरू जी से सीख सकता है। इस देश विरोधी कानून में 2013 में संशोधन किया गया, जिससे वक्फ बोर्डों को मुस्लिम दान के नाम पर संपत्तियों का दावा करने के लिए असीमित अधिकार प्रदान किए गए। संशोधनों ने वक्फ संपत्तियों की बिक्री को असंभव बना दिया। कातिल को ही मुंसिफ बना दिया गया। जिसके चलते यह बोर्ड रेलवे के बाद सबसे अधिक संपत्ति रखने वाला बोर्ड बन गया। जिस प्रकार इसकी शक्ति में दिन प्रतिदिन वृद्धि होती जा रही थी, उसके चलते किसी को भी

इसकी ओर आंख उठा कर देखने का साहस नहीं हो रहा था। मुस्लिम समाज के भी अनेक लोग इस देश विरोधी कानून की चपेट में आए और उन्हें अपनी संपत्ति से ना चाहते हुए भी हाथ धोना पड़ा। यही कारण है कि इस कानून में संशोधन के समर्थन में अनेक प्रगतिशील मुस्लिम भी मोदी सरकार के साथ खड़े हुए दिखाई दिए हैं। मुस्लिम समाज के अनेक बुद्धिजीवी इस कानून में संशोधन की मांग करते आ रहे थे, जिस पर मोदी सरकार ने काम करने का निर्णय लिया। सरकार ने निर्णय लिया कि इस कानून के उन सभी प्रावधानों को संशोधित किया जाए, जिनसे समाज विरोधी और देश विरोधी शक्तियों को बल प्राप्त होता है। इस प्रकार इस नए संशोधन अधिनियम का उद्देश्य वर्तमान वक्फ अधिनियम के देश विरोधी खण्डों को रद्द करना रहा है, जिससे कि इस बोर्ड के अधिकारों को सीमित किया जा सके। ज्ञात रहे कि वर्तमान में बोर्ड को अनिवार्य सत्यापन के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में घोषित करने की अनुमति इस प्रचलित कानून के माध्यम से रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सी0ए0ए0 जैसे कानून का विरोध करने वाला सेकुलर गैंग इस नए संशोधन बिल का भी विरोध करता हुआ दिखाई दिया। यद्यपि संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष विपक्ष के द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर भली प्रकार विचार किया गया और यथासंभव उन्हें स्वीकार भी किया गया, किंतु इसके उपरांत भी वोटो की राजनीति सेकुलर विपक्ष पर हावी रही। जिसके चलते देश के सभी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों ने इस विधेयक का भरपूर विरोध किया। भारत के हिंदू समाज की अनेक परंपराओं को अवैज्ञानिक और सृष्टि नियमों के विरुद्ध घोषित कर उन्हें पानी पी पीकर कोसने वाले धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों के किसी भी नेता ने कभी यह कहने का साहस नहीं किया कि वक्फ बोर्ड को किसी मुस्लिम द्वारा दान की जाने वाली संपत्ति अल्लाह की कैसे हो जाती है? देश के दूसरे सबसे बड़े संप्रदाय को अवैज्ञानिक और अंधविश्वासों से भरी परंपराओं में जीने और उसी परिवेश में घुट घुटकर मरने के लिए धर्मनिरपेक्ष राजनीति ने भरपूर प्रयास किया। यह बात भी ध्यान देने वाली है कि यह बोर्ड भारत में 9. 4 लाख एकड़ में फैली अपनी 8.7 लाख संपत्तियों का नियंत्रण करता है। जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 1.2 लाख करोड रुपए आंकी गई है। अब नए कानून के अनुसार वक्फ बोर्ड की सभी संपत्तियों के लिए सत्यापन की प्रक्रिया से गुजरना अनिवार्य कर दिया गया है। देश का संविधान अथवा कानून कहता है कि आप किसी की भी संपत्ति को अपनी संपत्ति घोषित नहीं कर सकते हैं। यदि इस कार्य को कोई व्यक्ति नहीं कर सकता तो कोई बोर्ड इसे किस आधार पर कर सकता है? इसी प्रकार कोई संप्रदाय भी ऐसा क्यों कर सकता है अथवा उसे ऐसा करने की छूट क्यों दी जाए? ये ऐसे प्रश्न हैं जो संवैधानिक भी हैं, नैतिक भी हैं, सामाजिक भी हैं और देश हित में उठाए जाने योग्य भी हैं। यदि एक बार यह कहा जाए कि भारत का संविधान धर्मनिरपेक्ष है, जिसमें किसी भी संप्रदाय का पक्ष पोषण नहीं किया जा सकता तो भी वक्फ बोर्ड का गठन अपने आप में असंवैधानिक ही माना जाएगा। कानून बनाकर उसे दिए गए असीमित अधिकार तो मानो तानाशाही प्रवृत्ति को बढ़ावा देने का स्पष्ट प्रमाण ही है। इस नये एक्ट के माध्यम से धारा 9 और 14 में संशोधन किया गया है, जिसके द्वारा महिलाओं के लिए प्रतिनिधित्व को बहुत ही जिम्मेदारी के साथ सम्मिलित किया गया है। प्रत्येक प्रकार के विवाद से निपटने के लिए वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई संपत्तियों का नया सत्यापन अनिवार्य किया गया है। इसके दुरुपयोग को रोकने के लिए जिले के जिलाधीश वक्फ संपत्तियों की निगरानी में सम्मिलित हो सकते हैं। सरकार की ओर से अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू, गृहमंत्री अमित शाह और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने चर्चा में भाग लेते हुए मजबूती से अपना पक्ष रखा है। केंद्रीय गृहमंत्री और प्रधानमंत्री ने अपना पूरा होमवर्क पूरी सावधानी के साथ संपन्न किया। यही कारण रहा कि एनडीए के जो सदस्य दल प्रारंभ में कुछ अलग भाषा बोलते हुए दिखाई दे रहे थे, वह सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो गए और यह विधेयक पारित हो गया।

देश के संविधान की मूल भावना के विपरीत जाकर एक वर्ग विशेष या संप्रदाय विशेष को उसकी धार्मिक मान्यताओं को बलवती करने के लिए प्रोत्साहित करना पूर्णतया असंवैधानिक कृत्य था। परंतु कानून बनाकर इसे संवैधानिक घोषित कर दिया गया। इस विषय में प्रारंभ में नेहरू जी ने अंग्रेजों की नीति का अनुकरण किया। जी हां, उन्हीं अंग्रेजों की नीतियों का जिन्होंने मुगल काल में अनैतिक ढंग से काटी जाती रही गायों की हिंदुओं के द्वारा जब आलोचना होते हुए देखी तो 1707 में इस संबंध में एक विशेष कानून लाकर देश में गायों का कत्लगाह बनाने का कानून पारित किया। जिसमें प्रतिदिन 32 से 35000 गाएं काटी जाती थीं, इस प्रकार उन्होंने एक अनैतिक कार्य को वैधानिक बना दिया।

दृष्टि कोण

शोषित वर्गों के मसीहा डा. अंबेडकर

14 अप्रैल 1891 को ब्रिटिश भारत के मध्य प्रांत में महू नामक स्थान पर एक ऐसे व्यक्ति का जन्म हुआ जिसका नाम भारत के इतिहास में बड़े अदब से लिया जाता है। अद्भुत प्रतिभा के धनी उस व्यक्तित्व ने अपने जीवन काल में न जाने कितने आयाम स्थापित किए। भारतीय संविधान के रचयिता व दलित एवं शोषित वर्ग की आवाज को बुलंद करने वाले, यह वह शख्सियत है जिसे भारतीय इतिहास में बाबा साहब डा. भीम राव अंबेडकर के नाम से जाना जाता है। डा. अंबेडकर का नाम किसी से छुपा नहीं है। देश ही नहीं, अपितु विदेशों में भी उनका नाम बड़े सम्मान से लिया जाता है। विश्वभर में उनकी सबसे ज्यादा मूर्तियां बनना इस बात की पुष्टि करता है। डा. अंबेडकर का जन्म रामजी सकपाल व भीमाबाई के घर में उनकी 14वीं संतान के रूप में हुआ। उनके पिता ब्रिटिश सेना में नौकरी करते थे तथा महू क्षेत्र सेना की छावनी हुआ करता था। उनका परिवार बहुत बड़ा होने के कारण लालन-पालन बड़ी मुश्किल से होता था। अतः बाबा साहब के जीवन में प्रारंभ से लेकर उनके अंतिम समय तक संघर्ष रहा। उनका जन्म म्हार जाति में हुआ, जो उस समय एक अछूत जाति थी। जिसके कारण उनको छुआछूत का दंश झेलना पड़ा। बाल्यकाल से समाज में फैली अस्पृश्यता, छुआछूत तथा असमानता जैसी कुरीतियों के भुक्तभोगी होने के बावजूद बाबा साहब द्वारा अपने जीवन में अनेकों अनेक कीर्तिमान स्थापित करना अपने आप में उनके संघर्ष, लगन व चहुंमुखी व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है। उन्होंने न केवल संघर्ष के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई, अपितु समाज के शोषित वर्ग को नई दिशा दिखाने का भी काम किया। स्कूल के समय में भी उन्होंने न जाने किस-किस रूप में जातिगत अस्पृश्यता एवं भेदभाव का सामना किया। उन्हें स्कूल में अकेले एक कोने में बैठा दिया जाता था, यहां तक कि एक नल से पानी पीने तक पर प्रतिबंध था। यह भेदभाव उनके मानसिक पटल पर समाज की इस अमानवीय व्यवस्था के प्रति अमिट छाप छोड़ गया। फिर भी, बाबा साहब ने हार न मानी, नित निरंतर पढ़ाई के रास्ते पर आगे बढ़ते गए। वो प्रायः अपनी बहन को उनके साथ होने वाले भेदभाव के पीछे का कारण पूछते रहते, लेकिन कभी भी कहीं से उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिल पाया। अंततः उन्होंने शिक्षित होकर इस दमन के खिलाफ लडऩे का फैसला लिया। हालांकि समाज में दलित एवं शोषित समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस भेदभाव का शिकार रहा, तथा सभी अपने-अपने स्तर पर लड़ते रहे, लेकिन डा. अंबेडकर ने शोषण के खिलाफ जिस स्तर पर संघर्ष किया, वह उन्हें दूसरों से पृथक करता है। डा. अंबेडकर एक होनहार छात्र थे। इसलिए उनके बचपन के गुरु श्री कृष्ण केशव अंबेडकर ने उनको शिक्षा में काफी प्रोत्साहित किया, जिसके कारण बाबा साहब को कहीं न कहीं शोषित समाज में उम्मीद की किरण दिखी, जो अथक प्रयासों, संघर्षों और कुर्बानियों से एक ज्वाला बनकर उभरी तथा शोषण के विरुद्ध वर्तमान में भी जलती नजर आती है। उनका एक प्रसिद्ध वाक्य 'बुद्धि का विकास मनुष्य जीवन का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए', सही मायने में उनकी पढऩे-लिखने की उत्कंठा को दर्शाता है। उनके शिक्षा के प्रति आवेग को न तो कोई मुसीबत रोक पाई, न ही सामाजिक शोषण। बाबा साहब की यह उत्कंठा महू से शुरू होकर विश्व के नामचीन विश्वविद्यालयों में जाकर पूर्ण हुई। अपनी इस उत्कंठा के चलते उन्होंने 32 विषयों में स्नातकोत्तर ड्रिगी व विभिन्न भाषाओं का ज्ञान अर्जित किया। उन्होंने एलफिंस्टन कॉलेज से अर्थशास्त्र व राजनीति विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, तत्पश्चात कोलंबिया विश्विद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोतर डिग्री व प्रसिद्ध लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उनका सीखने का जुनून यहीं खत्म नहीं हुआ, इसलिए समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं विधि सहित 32 विषयों में स्नातकोतर की डिग्री पूर्ण करके भी कीर्तिमान स्थापित किया। उनकी शिक्षा ग्रहण करने में भी जातिगत भेदभाव साफ नजर आता है, जब उन्हें अछूत होने के कारण संस्कृत भाषा का अध्ययन करने से वंचित रखा गया और उन्हें मजबूरन फारसी भाषा का अध्ययन करना पड़ा। यद्यपि उनकी दृढ़ शक्ति के चलते उन्होंने बाद में संस्कृत भाषा को भी सीखा। उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों की अगर बात करने लग जाएं तो न जाने कितने पृष्ठ भर जाएंगे। अपितु, बाबा साहब का जीवन कभी भी अपने तक सीमित नहीं रहा। वो चाहते तो एक आराम व विलासितापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकते थे। इतनी उपाधियां प्राप्त करने के पश्चात उनको विभिन्न उच्च पदों पर आसीन होने के न्यौते मिले थे।

कुछ अलग

पकड़े गए दोस्त के नाम

हे मेरे बचपन के दोस्त! जबसे मुझे सोशल मीडिया से पता चला है कि तुम रिश्वत लेते हुए पकड़े गए हो और वह भी रंगे हाथों, मन बहुत खिन्न है। कहीं जाकर मरने को मन कर रहा है, पर मरने को सही जगह नहीं मिल रही। पता ही नहीं चल रहा कि कहां जाकर मरूं? सच सच बताना दोस्त! जब तुम बचपन से लेकर कल तक कोई भी गलत काम करते कभी पकड़े नहीं गए तो आज रिश्वत लेते हुए कैसे पकड़े गए? मुझे तो तुम्हारे रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने पर यकीन ही नहीं हो रहा। जहां तक मेरा मानना है रिश्वत लेते हुए तुम पक्का पकड़े नहीं गए होंगे। जरूर किसी ने तुम्हें पकड़वाया होगा। तुम्हें कोई रिश्वत लेते हुए पकड़े, ये मैं कदापि नहीं मान सकता। मुझे लगता है जरूर यह किसी तुम्हारे दोस्त में छुपे दुश्मन का काम है। जरूर वह तुम्हारी रिश्वत लेने की तरक्की से ईर्ष्या करता होगा। दोस्त! जिसके पास ऐसे दोस्त हों उसे दुश्मन रखने की जरूरत नहीं होती। दुश्मनों से तो सचेत रहा जा सकता है, पर आस्तीन में दुश्मन सी घात लगाए ऐसे हंसमुख दोस्तों से नहीं। मुझे दुःख तुम्हारे पकड़े जाने की बात का नहीं, इस बात का है कि जो तुम जैसे भी रिश्वत लेने के माहिर ही पकड़े जाने लगे तो मेरे जैसे मिडिल क्लास रिश्वतखोरों का क्या होगा? यह सोच मैं बिन रिश्वत लिए ही बहुत परेशान हूं। हर वक्त अपने हाथ देखता रहता हूं कि कहीं वे बिन रिश्वत लिए ही रंग तो नहीं गए? सैलरी के नोट लेते हुए भी अब हाथ कांपने लगे हैं। मन कर रहा है कि अब रिश्वत लेने का कोई नया तरीका शोधूं ताकि रिश्वत भी मिल जाए और हाथ भी न रंगे। दोस्त! मानता हूं रिश्वत के बिना आज किसी का भी गुजारा नहीं। कारण, एक दूसरे की देखा-देखी में न चाहते हुए भी हम सबने अपने खर्चे इतने फैला दिए हैं कि जो जिंदगी की चारपाई पर रिश्वत की चादर न फैलाएं तो गर्मियों में तो गर्मियों में, दिसंबर में भी ईएमआई की किस्तों के मच्छर पूरे बदन को काटते रहें। वैसे दोस्त! बिन रिश्वत नौकरी कोई नौकरी थोड़े होती है। जो बिन रिश्वत लिए नौकरी करते हैं, वे अपने बच्चों को उधार छोडक़र मरते हैं। उन्हें समाज में तो छोड़ो, घर में भी द्यद्दत्ता नहीं पूछता। इसलिए सज्जन से सज्जन तक रिश्वत वाले पद पर पोस्टिंग करवाने के लिए कहां कहां से जोर नहीं लगाते? किस किसका पुश नहीं लगवाते। तुमने ही क्या, मैंने भी लगाए, पर कम ही बार सफल हुआ।

अब पकड़े गए हो तो कोई बात नहीं! गिरते हैं शहसवार ही मैदान-ए- जंग में। वो ईमानदार क्या गिरेंगे जो वेतन भी फूंक फूंक कर लेते हों। पर केवल दुःख इस बात का आज भी है और कल भी रहेगा कि तुम मात्र दस हजार लेते पकड़े गए। इस मामले में तुम अपनी नाक कटी मानो या न, पर मैं तुम्हारा परम हितैषी होने के चलते अपनी पूरी नाक कटी जरूर मान रहा हूं। लाखों करोड़ों रिश्वत लेने के दौर में ये दस बारह हजार भी कोई रिश्वत होती है दोस्त? लानत है मुझ पर कि मेरा दोस्त इतनी कम रिश्वत लेता हुआ पकड़ा गया। अब भगवान से बस, यही प्रार्थना कि वे तुम्हें जितनी जल्दी हो सके, फिर रिश्वत लेने का मौका दें। तुम अपने स्तर पर भी कोशिश कर ऐसे बंदे ढूंढना जो रिश्वत लेकर रिश्वत लेने वालों को बचाने में माहिर हों। एक दोस्त होने के नाते मैं तो खैर करूंगा ही।

देश दुनीया से

ट्रंप के टैरिफ बम का असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनेक देशों पर टैरिफ का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिका के राष्ट्रपति पद का जिम्मा संभाला है, जनाब एक के बाद एक, बम बम फैसलों से खबरों में हैं। उन्होंने दुनिया के आर्थिक जगत को उलझा कर रखा हुआ है। ट्रंप ने तमाम देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 49 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया। भारत पर भी ट्रंप ने 26 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। सबसे पहले तो आसान तरीके से यह समझें कि टैरिफ होता क्या है। मान लीजिए दक्षिण कोरिया से भारत में मोबाइल का आयात होता है, अब अगर सरकार को दिखता है कि वहां से आने वाले सस्ते मोबाइल से भारत की कंपनियों को घाटा हो रहा है, वो उनका मुकाबला नहीं कर पा रही हैं, तो सरकार टैरिफ का उपयोग करती है। टैरिफ एक प्रकार का टैक्स है जो वह किसी देश से आ रहे सामानों पर लगाती है। सरकार उन वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ लगाकर उनको महंगा कर देती है ताकि देश के लोग उनको न खरीदकर देश की कंपनियों के प्रोडक्ट को ही खरीदें। अब ट्रंप अमेरिका में यही कर रहे हैं। उन्होंने तमाम देशों पर कम से कम 10 प्रतिशत और अधिक से अधिक 49 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। अब ट्रंप का टैरिफ कैसे काम करेगा? इसको भारत के उदाहरण से ही समझिए। ट्रंप ने 2 अप्रैल को भारत पर जो 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, वो अतिरिक्त टैक्स होगा। यानी अगर किसी सेक्टर पर अमेरिका ने पहले 14 प्रतिशत का टैरिफ लगा रखा था तो अब उस पर 14 प्लस 26 यानी कुल 40 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा। ट्रंप ने जो टैरिफ लगाया है उसमें 10 प्रतिशत का टैरिफ 'बेसलाइन टैरिफ' है, यानी कम से कम इतना टैरिफ तो सब पर लगाया गया है। इसके बाद जो टैरिफ है, वह उन

देशों की तरफ से अमेरिका पर लगाए जा रहे टैरिफ के अनुपात में लगाया गया है। फिर से भारत के उदाहरण से इसे समझते हैं। भारत पर जो 26 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है, उसमें से 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ है और बाकी का 16 प्रतिशत भारत के टैरिफ के जवाब में लगाया गया है। ट्रंप ने ऐलान किया है कि 10 प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ 5 अप्रैल से लागू होगा जबकि 9 अप्रैल से पूरा टैरिफ (भारत के लिए 26 प्रतिशत अतिरिक्त या नया टैरिफ) वसूला जाएगा। ट्रंप के टैरिफ से भारत का कौनसा सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित होगा, यह जानना जरूरी है। कृषि के इससे सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इसके अंदर अगर डेयरी प्रोडक्ट की बात करें तो अभी इस पर 16.8 प्रतिशत का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से इसमें 26 प्रतिशत और जुड़ जाएगा और कुल टैरिफ बढक़र 42.8 प्रतिशत हो जाएगा। इसी तरह फल और सब्जी पर अभी 5.3 प्रतिशत का टैरिफ लगता है जो बढक़र 31.3 प्रतिशत हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स पर भारत में 1.2 प्रतिशत का काफी कम टैरिफ लगता है, लेकिन 9 अप्रैल से बढक़र यह 27.2 प्रतिशत हो जाएगा। यानी टैरिफ से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में कुछ वक्त के लिए कमी आ सकती है। हमें स्मार्ट सप्लाई चेन पर ध्यान देना होगा। देश के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिली है। इसे ट्रंप ने टैरिफ के मार से दूर रखा है। भारत की कई बड़ी दवा कंपनियों की आधी कमाई अमेरिकी बाजार से होती है। रत्न और आभूषण सेक्टर को बड़ा झटका लगेगा। अभी इस पर अमेरिका में 5.5 से 13.5 प्रतिशत तक का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से यह बढक़र 31.5 से 39.5 प्रतिशत तक हो जाएगा। इसकी वजह से अमेरिका से मिलने वाले ऑर्डर पर बड़ा असर दिख सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सांझेदार रहा है। अमेरिका भारत के कुल वस्त्र निर्यात का लगभग 18 फीसदी, आयात का 6.22 फीसदी और द्विपक्षीय व्यापार का 10.73 फीसदी हिस्सा रखता है। अमेरिका के साथ, भारत का 2023-24 में वस्त्रों में व्यापार अधिशेष (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) 35.32 अरब डॉलर था। यह 2022-23 में 27.7 अरब डॉलर, 2021-22 में 32.85 अब डॉलर, 2020-21 में 22.73 अरब डॉलर और 2019-20 में 17.26 अरब डॉलर था। साल 2024 में अमेरिका को भारत के मुख्य निर्यात में दवा निर्माण और जैविक उत्पाद (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु आभूषण (3.2 अरब डॉलर), कपास के रेडीमेड वस्त्र, जिसमें सहायक उपकरण शामिल हैं (2.8 अरब डॉलर) और लोहे और स्टील के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल थे। इसी तरह, आयात में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए गए हीरे (2.6 अरब डॉलर), विद्युत मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उनके हिस्से (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल थे। ट्रंप के टैरिफ बम से भारत को कुछ नुकसान हो सकते हैं। लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत 4 सेक्टरों में चीन को पीछे छोडक़र नंबर एक बन सकता है। यानी अमेरिका के इस कदम से भारतीय उद्योगों को फायदा भी मिल सकता है। ट्रंप के टैरिफ से चीन पर 54 फीसदी टैक्स लगेगा, जबकि भारत पर सिर्फ 27 फीसदी। मान लो, चीन से कोई सामान 100 रुपए का आता था, अब वह 154 रुपए का होगा। अगर भारत वही सामान 130-135 रुपए में बेचे, तो अमेरिका भारत से सामान खरीदेगा, क्योंकि यह सस्ता होगा जिससे भारतीय कंपनियों को ज्यादा ऑर्डर मिलेंगे, नए रोजगार पैदा होंगे। भारत का निर्यात बढ़ेगा, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आसान भाषा में अगर कहें तो अमेरिका ने चीन का सामान महंगा कर दिया है, इसलिए भारत अब उसकी जगह ले सकता है और अपना व्यापार बढ़ा सकता है। तुलनात्मक तरीके से देखें तो भारत का कपड़ा उद्योग अब बढ़त में है, क्योंकि अमेरिका ने चीन और बांग्लादेश से आने वाले कपड़ों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं। इससे भारतीय कपड़े सस्ते हो जाएंगे और अमेरिकी रिटेलर्स भारत से सामान खरीदने को मंजूरी देंगे।

आप का नजरीया

कचरे से दूर

कचरे से दूर रहने की कोशिश में अब व्यावसायिक वाहनों के पेट में डस्टबिन होगा। हिमाचल सरकार ने अपनी पर्यावरणीय व स्वच्छता की फाइल पर हस्ताक्षर करते हुए तय किया है कि तमाम व्यावसायिक वाहन डस्टबिन की व्यवस्था करते हुए, कचरे को ठिकाने लगाएं। हमने कुछ समय पूर्व पर्यटक बसों के ठहराव पर निष्पादित कूड़े का जिक्र किया था और प्रसन्नता यह कि सरकार ने संज्ञान लेते हुए, इसे कानूनी व्यवस्था का पहलू बनाया है। कचरे से दूर रहने का यह एक कदम हो सकता है, लेकिन पर्यटन सीजन का कचरा इससे भी कहीं अधिक और गंभीर स्थिति पेश कर रहा है। सार्वजनिक कचरे के प्रबंधन के साथ-साथ नागरिक व्यवहार में परिवर्तन लाने की जरूरत है। खास तौर पर फास्ट फूड के ऑनलाइन आर्डर तथा टेक अवे प्वाइंट्स से हाईवे टूरिज्म का बदलता अंदाज सडक़ों पर गंदगी का सामान छोड़ रहा है। पर्यटक व धार्मिक स्थलों के अलावा हाईवे टूरिज्म के दृष्टिगत डस्टबिन सुविधा का प्रसार चाहिए। परिवहन और पर्यटन क्षेत्र में कूड़ा-कचरा प्रबंधन एक अलग सोच व संस्कृति का प्रसार भी है। सर्वप्रथम खानपान के स्थलों को सुविधाजनक व जरूरत के अनुरूप विकसित करने की योजनाएं बननी चाहिएं। इसके अलावा पर्यटक डेस्टिनेशन, ट्रैकिंग रूट्स व प्राकृतिक स्थलों के आसपास स्वच्छता के नए मानदंड अमल में आने चाहिएं। शुरुआत सार्वजनिक जीवन से होनी चाहिए। क्या हमारे बस स्टैंड इस काबिल हैं कि यात्री गंदगी से बचकर निकल सकते हैं। व्यावसायिक वाहन जिस बस स्टैंड या स्टॉप से होकर गुजरते हैं, वहां भी तो सफाई का आदर्श माहौल होना चाहिए। सरकारी दफ्तरों की स्वच्छता का सवाल तो और भी जरूरी है। प्रशासनिक भवनों, न्यायिक परिसरों और सार्वजनिक समारोह के सान्निध्य में गंदगी ने जीना सीख लिया है। सरकारी दफ्तरों में सफाई के मानदंड सबसे खराब और नागरिक के लिए प्रतिकूलता पैदा करते हैं। किसी न्यायिक प्रक्रिया के दौरान अदालती माहौल में पेशी दर पेशी के बीच नागरिक समाज की मूलभूत सुविधाएं यहां तक हार जाती हैं कि टॉयलेट जैसी सुविधा भी वहां विशेषाधिकार है। वकीलों के चैंबर्स अकसर खुले में स्वच्छता के लिए प्रार्थना करते हैं। जिस मंच से नेताओं के संबोधन, नृत्य-नाटियां और ठुमके लगते हैं, वहां मैदान पर रह जाती हैं कचरे में गिरी-पड़ी यादें। क्या हमने कभी सोचा कि यह जो अब नेताओं की गर्दन को सजाने के लिए फूल उगाते हैं या पुष्पहारों से रौनक बढ़ाते हैं, उनकी परिणति क्या होती है। किस तरह हर दिन कोई वीआईपी फूलों के सैकड़ों हार उतारता है और फिर एक अंधी प्रक्रिया के तहत उन्हें किसी खाई या खड्ड के किनारे छोड़ दिया जाता है। क्यों न हम वीआईपी कल्चर छोड़ दें, पुष्पहारों का इस्तेमाल बंद कर दें। स्वच्छता कानूनों के बजाय आदर्शों की परिपालना है। स्वच्छता के मूल सिद्धांत विकास के साथ भी नत्थी करने होंगे, खास तौर पर हिमाचल की भौगोलिक परिस्थिति को देखते हुए ऊपरी क्षेत्रों से नीचे बहती खड्डों और नालों के किनारे पर स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। देखा यह जा रहा है कि नदियों और नालों पर पुलों के ऊपर जालियां लगानी पड़ रही हैं ताकि गंदगी की उडऩतश्तरी सीधे पानी में न पहुंच जाए। शहरों और गांवों की जल निकासी तथा सीवरेज व्यवस्था को अब कैसे रोकेंगे।

पेयजल संकट पर वसुंधरा की नाराजगी के बाद केंद्र ने मांगी राज्य सरकार से रिपोर्ट

जयपुर (हिंस)। झालावाड़ जिले में गर्मी शुरू होने के साथ ही चल रहे पेयजल संकट पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की नाराजगी को केंद्र सरकार ने गंभीरता से लिया है। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने राजस्थान सरकार से इस संबंध में तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि झालावाड़ में जल संकट को लेकर वसुंधरा राजे द्वारा उठाई गई चिंता को भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने गंभीरता से संज्ञान में लिया है। राजस्थान सरकार से इस संबंध में तात्कालिक तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी गई है। वसुंधरा राजे से जब ग्रामीणों ने पेयजल संकट की शिकायत तो पूर्व मुख्यमंत्री जलजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अफसरों पर भड़क पड़ीं। उल्लेखनीय है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मंगलवार शाम झालावाड़ के रायपुर कस्बे के दौरे पर पहुंची। वसुंधरा राजे से जब ग्रामीणों ने पेयजल संकट की शिकायत तो पूर्व मुख्यमंत्री जलजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अफसरों पर भड़क पड़ीं। राजे के सवालों का अधीक्षण अभियंता समेत उपस्थित किसी भी अधिकारी ने संतोषप्रद जवाब नहीं दिया। इस पर राजे ने कहा कि लोगों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। बाद में राजे ने सोशल मीडिया पर देर रात दो पोस्ट कर अफसरों के कामकाज की शैली पर सवाल उठाए। राजे के सख्त तेवरों को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी। वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि क्या जनता को प्यास नहीं लगती? सिर्फ आप अफसरों को ही लगती है। गर्मी में पेयजल संकट के कारण जनता त्रस्त है। अफसर तृप्त है। पानी कागजों में नहीं, लोगों के होठों तक पहुंचे। अफसर सो रहें है, लोग रो रहें हैं। मैं ऐसा नहीं होने दूँगी। रायपुर क़स्बे के ग्रामीणों की पेयजल संकट की शिकायत पर जलजीवन मिशन और जलदाय विभाग के अफसरों को त्वरित समाधान के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री जी ने 42 हजार करोड़ जल जीवन मिशन में दिये हैं। पाई-पाई का हिसाब दो कि झालावाड़ के हिस्से की राशि का आपने क्या किया? पेयजल संकट निवारण के लिए हमारी सरकार तो पैसा दे रही है, लेकिन अफसर योजनाओं की सही क्रियान्विति नहीं कर रहे। इसलिए राजस्थान के लोग प्यास से व्याकुल है। यह तो अप्रेल का हाल है। जून-जुलाई में क्या होगा? अधीक्षण अभियंता सहित उपस्थित कोई भी अधिकारी मुझे संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। लोगों के धैर्य की परीक्षा मत लीजिए। झालावाड़ में ऐसा हरगिज नहीं चलेगा। राजे के सख्त रुख के बाद नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सरकार पर निशाना साधा। टीकाराम जूली ने एक्स पर पोस्ट किया कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जी का यह ट्वीट भाजपा सरकार की सच्चाई उजागर करने के लिए काफी है। कितनी दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी कि पूर्व मुख्यमंत्री को अपनी पार्टी की सरकार के बावजूद पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति के लिए अपनी बात मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से कहनी पड़ रही है। जब भाजपा की ही पूर्व मुख्यमंत्री इस सरकार के अधिकारियों के सामने इतनी मजबूर हैं तो आमजन की स्थिति समझी जा सकती है।

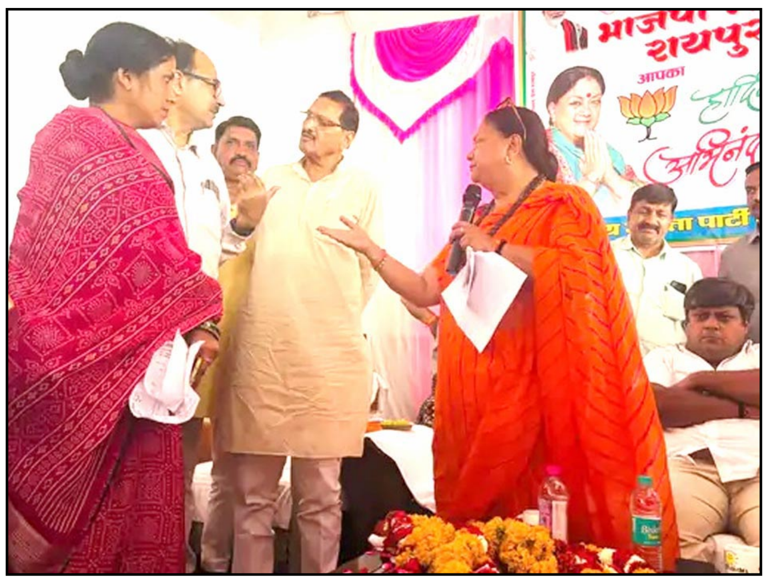

भारत-पाक सीमा पर आईईडी धमाका, बीएसएफ का जवान घायल

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के गुरदासपुर में बीओपी चौतरा बॉर्डर के पास कंटीली तारों के पार हुए धमाके में बीएसएफ का जवान जख्मी हुआ है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पाकिस्तान की तरफ से बीएसएफ के जवानों तथा किसानों को निशाना बनाने के लिए यह धमाका किया गया है। इस घटना के बाद सभी आला अधिकारी गुरदासपुर पहुंच गए। बीएसएफ ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और बुधवार सुबह से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घायल जवान को अमृतसर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीएसएफ के अनुसार मंगलवार व बुधवार की मध्य रात्रि बीएसएफ के गश्ती दल ने सीमा सुरक्षा बाड़ के आगे भारतीय क्षेत्र के अंदर संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाया। इस ऑपरेशन के दौरान सैनिकों ने बाड़ के आगे एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) की पहचान की, जो सुरक्षा बलों और किसानों को निशाना बनाने के स्पष्ट प्रयास का संकेत था। आगे की जांच में खेतों में छिपे हुए तारों का एक नेटवर्क पाया गया, जिससे कई आईईडी की मौजूदगी की पुष्टि हुई।

मुख्यमंत्री ने सरसों की एमएसपी पर खरीद का किया शुभारंभ

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को श्रीगंगानगर स्थित नई धान मंडी में किसानों को विक्रय स्लिप प्रदान करते हुए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर सरसों खरीद का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर किसानों एवं व्यापारियों से संवाद करते हुए कहा कि अन्नदाता किसान को पूरा सम्मान और सुरक्षा के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलवाना हमारा ध्येय है। हमारी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का किसानों के बैंक खातों में सीधा भुगतान समय पर सुनिश्चित कर रही है। इसी दिशा में किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए सरकार ने वर्ष 2025-26 में सरसों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य 5 हजार 950 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है तथा इस साल 13 लाख 22 हजार मीट्रिक टन सरसों की खरीद का लक्ष्य रखा है। इसी तरह सरकार 5 हजार 650 रुपए प्रति क्विंटल की एमएसपी के आधार पर 5 लाख 46 हजार मीट्रिक टन चना की खरीद करेगी। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2022-23 में सरसों का एमएसपी 5 हजार 50 रुपए था, जिसमें हमारी सरकार ने 900 रुपए तक की बढ़ोत्तरी की है। साथ ही एमएसपी पर खरीद के लिए प्रति किसान 25 क्विंटल की सीमा को बढ़ार 40 क्विंटल किया है। उन्हांने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार ने सवा साल के समय में अब तक 4 लाख 85 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की है जबकि पिछली सरकार ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में केवल 5 लाख 53 हजार मीट्रिक टन मूंगफली की खरीद की थी। साथ ही हमारी सरकार ने मूंगफली के न्यूनतम समर्थन मूल्य को 5 हजार 850 रुपए से बढ़ार 6 हजार 783 रुपए प्रति क्विंटल किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार किसानों की समस्याओं को दूर करते हुए उनकी समृद्धि के लिए कार्य कर रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य के बोनस को बढ़ार 150 रुपए एवं किसान सम्मान निधि को 6 हजार रुपए से बढ़ार 9 हजार रुपए किया है। साथ ही, किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने से लेकर वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। इस अवसर पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

बब्बर खालसा की धमकी के बाद सिरसा में पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में अलर्ट

सिरसा (हिंस)। खालिस्तान संगठन बब्बर खालसा द्वारा हरियाणा की पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमले की धमकी के बाद पंजाब सीमा से सटी जिले की पुलिस चौकियों और थानों को अलर्ट मोड़ पर कर दिया गया है। डबवाली के पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बुधवार को बताया कि बब्बर खालसा के आतंकी हैप्पी पाशियां का रामनवमी को चौकी पर हमले की धमकी मात्र अफवाह निकली लेकिन फिर भी एहतियात के तौर पर सभी थानों को अलर्ट कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि पंजाब बॉर्डर से सटे डबवाली में बनी पुलिस चौकियों व थानों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी ने बताया कि पंजाब सीमा की सभी चौकियों व थानों में सुरक्षा के लिहाज से नीचे व छत पर अत्याधुनिक हथियारों के साथ ड्यूटी लगाई गई है। जो आसपास की गतिविधि की निगरानी करेंगे। सभी थाना एसएचओ व डीएसपी को बॉर्डर चौकियों से संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने बताया कि पुलिस को पंजाब सीमा के साथ लगते गांवों में अपना सूचना तंत्र भी अलर्ट करने के आदेश जारी किए हैं, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत मिल सके। गौरतलब हैं कि पुलिस जिला डबवाली लगभग पंजाब से घिरा हुआ है जो थाने बिल्कुल पंजाब से सटे हुए हैं, वहां सुरक्षा के अतिरिक्त प्रबंध किए गए हैं। पंजाब की सीमा पर लगे नाकों पर तैनात अधिकारियों को 24 घंटे अलर्ट पर रहने के आदेश दिए गए हैं।

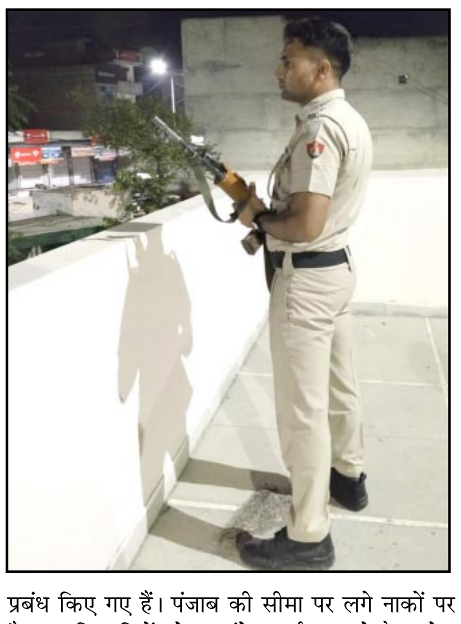

विश्व नवकार मंत्र दिवस समारोह आयोजित

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नवकार मंत्र को स्तुति से युक्त सर्व कल्याण प्रार्थना बताते हुए कहा है कि यह ध्यान का ज्ञान है। उन्होंने कहा कि यह विश्व कल्याण के साथ बाधाओं के निवारण का आदि मंत्र है।

उन्होंने कहा कि विश्व नवकार मंत्र दिवस भारत की अध्यात्म परंपरा में निहित विश्व शांति की सामूहिक भावना का द्योतक है। बागडे बुधवार को जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जीतो) द्वारा आयोजित विश्व नवकार मंत्र दिवस पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय दर्शन मंत्रों की साधना से ही जुड़ा है। मंत्र का अर्थ होता है, पवित्र उच्चारण। इससे धरती पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक भावों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने जैन परंपरा में तीर्थंकरों की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन का आदर्श मार्ग प्रदान किया। तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि के मार्ग से जीवन को धन्य करने की शिक्षा तीर्थंकरों ने दी। नवकार मंत्र इसी परंपरा का बहुत पावन भारतीय संस्कार है। यह मानव कल्याण से जुड़ा है। राज्यपाल ने इससे पहले नमोकार मंत्र का उच्चारण करते हुए कहा कि इस मंत्र को समझकर और भक्तिपूर्वक जपने से आदिनाथ का ध्यान ही नहीं होता जीवन की तमाम समस्याओं के समाधान का मार्ग खुल जाता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म नहीं संस्कृति है। उन्होंने *सर्वे भवन्तु सुखिन* की भारतीय सोच का प्रसार करने का भी आह्वान किया।

फिल्म अभिनेता सनी देओल ने तनोट माता के दर्शन किए और बीएसएफ जवानों से की मुलाकात

जैसलमेर (हिंस)। फिल्म अभिनेता सनी देओल ने बुधवार को भारत पाकिस्तान सीमा पर स्थित जैसलमेर में तनोट माता के दर्शन किए और सीमा सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात की। भारत-पाक सरहद से सटे पश्चिमी राजस्थान के सीमांत जैसलमेर जिले के विश्वविख्यात मातेश्वरी तनोट राय माता मंदिर में बुधवार को फिल्म अभिनेता सनी देओल पूजा-अर्चना करने पहुंचे। मंदिर में पहुंचने पर सीमा सुरक्षा बल के उप महानिरीक्षक योगेन्द्र सिंह राठौड ने सनी का स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने विधिवत रूप से तनोट माता के दर्शन और पूजा अर्चना की और अपनी आगामी फिल्म की सफलता के लिए प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि तनोट माता मंदिर जैसलमेर से 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और इसकी देखभाल बीएसएफ द्वारा की जाती है। 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान पाकिस्तान की भीषण गोलाबारी से मंदिर, माता के चमत्कार से सुरक्षित बच गया था। तनोट माता मंदिर से सनी देओल का खास नाता है। उनकी फिल्म बॉर्डर में सबसे पहले तनोट माता मंदिर को दर्शाया गया था और गदर-2 के प्रमोशन के लिए सनी देओल तनोट माता मंदिर आये थे और गदर-2 ने अपार सफलता अर्जित की थी। एक बार पुन: वह अपनी आगामी फिल्म जाट की सफलता के लिए तनोट माता मंदिर पहुंचे जो कि उनकी तनोट माता के प्रति गहरी आस्था को दर्शाता है। बीएसएफ जवानों के साथ सनी देओल ने जमकर डांस किया सनी देओल ने भारत पाक बॉर्डर से सटे तनोट राय मंदिर क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ गदर और बॉर्डर जैसी फिल्मों के देश भक्ति के गानों पर जमकर डांस किया। उसके बाद उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से वार्तालाप की तथा विषम परिस्थितियों में अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रहे सीमा सुरक्षा बल के जवानों की सराहना की। उन्होंने कहा की देश की प्रथम रक्षा पंक्ति के तौर पर विख्यात सीमा सुरक्षा बल के जवानों की कर्तव्यनिष्ठा पर देश को गर्व है।

मैट्रिक में दसवां स्थान पाने वाले प्रियांशु को विधायक ने किया सम्मानित

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज के मिर्जापुर उत्क्रमित उच्च विद्यालय जैसे सुदूरवर्ती गांव में पढ़कर बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित मैट्रिक की परीक्षा में बिहार में दसवां स्थान लाए प्रियांशु कुमार को स्थानीय विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने बुधवार को सम्मानित किया। बोर्ड की परीक्षा में सूदूर ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय मिर्जापुर में पढ़कर पूरे बिहार में दसवीं स्थान प्राप्त करने वाले प्रियांशु कुमार को पुरस्कार देकर विधायक ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते शुभाशीष दिया। उन्होंने प्रियांशु को डायरी कलम और पाठ्य सामग्री देकर प्रोत्साहित किया। विधायक विद्यासागर केशरी उर्फ मंचन केशरी ने मौके पर अन्य छात्रों को प्रियांशु कुमार से सिख लेने की अपील की। मौके पर विद्यालय के शिक्षक समेत गांव के गणमान्य लोग मौजूद थे।

भारतीय ज्ञान परंपरा में समाहित है वैज्ञानिक दृष्टिकोण : प्रो. बीएल शर्मा

जौनपुर (हिंस)। भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बुधवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन सेंटर, फार्मेसी भवन में किया गया। मुख्य अतिथि संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीएल शर्मा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा न केवल अध्यात्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध है, बल्कि उसमें वैज्ञानिक चिंतन और तर्क शीलता की गहराई भी समाहित है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा केवल ज्ञान का संचय नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारने की प्रक्रिया है। इसमें प्रकृति, मानव और ब्रह्मांड के मध्य संतुलन की बात की गई है, जो आज के सतत विकास की अवधारणा से मेल खाती है। उन्होंने कहा कि जीवन में विपत्ति से बचाव के पांच ही साधन है। मंत्र, मणि, औषधि, स्नान और दान। उन्होंने कहा कि श्रुति, स्मृति, सदाचार, आत्मा की आवाज से धर्म बनता है। साथ ही कहा कि हमारी संस्कृति भाषण से नहीं आचरण से सिखाने की है। पश्चिम ने मशीन को महत्व दिया हमारे देश ने मानव को प्रमुख माना। उन्होंने सनातन से लेकर आयुर्वेद और धर्म की विस्तार से व्याख्या की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने कहा कि जीवन में धर्म का आचरण करने से कई समस्याओं का समाधान खुद ही हो जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना को एक वृक्ष के उदाहरण से समझाते हुए कहा कि जब वृक्ष हरा भरा रहेगा तभी वह विकसित होगा और अच्छे फल देगा। हम भारतीय ज्ञान परंपरा पर शोध के लिए नया ग्रुप बना रहे हैं। इस संबंध में एक एमओयू भी शीघ्र किया जाएगा। बतौर मुख्य वक्ता बीएचयू के डॉ. एमके सिंह चौहान ने कहा कि भारतीय परंपरा का मुख्य आधार संगीत रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रों के रिद्म, राग और उच्चारण का मानव के जीवन में अलग-अलग प्रभाव है। बहुत से रोगों का निदान मेडिसिन से नहीं, थेरैपी और योग के माध्यम से संभव होता है। बीएचयू के आईएमएस प्रो. अजीत सिंह ने कहा कि भारत में बहुत से आधुनिक रोग, मस्कुलर पेन, बैक पेन, सरवाइकल पेन जैसी समस्या का समाधान योग, थिरैपी और मेडिटेशन से संभव है। इसमें खासतौर से खान-पान और लाइफस्टाइल को बदल कर ठीक किया जा सकता है। बीएचयू आईएमएस के डॉ. शुभम श्रीवास्तव ने आदमी की दिनचर्या, बैठने के पोस्चर, सूर्य की किरणों से लाभ को भारतीय परंपरा से जोड़ते हुए विस्तृत ढंग से प्रकाश डाला। कहा कि हमारे यहां प्रार्थना, सूर्य नमस्कार, योग शुरू से ही भारतीय परंपरा में था। प्रबंध अध्ययन संकाय के प्रो. अविनाश पाथर्डीकर ने धर्म के मापनी विकास शोध पत्र को समझाया। कहा कि धर्मानुकूल आचरण करने वाला ही जीवन में सफल होता है। अतिथियों का स्वागत संगोष्ठी के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र एवं विषय प्रवर्तन प्रो मानस पांडे ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. धीरेन्द्र कुमार चौधरी ने किया।

किसानों की उपज का जल्द से जल्द हो उठान और भुगतान : राजेश नागर

पलवल (हिंस)। हरियाणा सरकार में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री राजेश नागर ने बुधवार को पलवल व होडल स्थित अनाज मंडी का दौरा करते हुए किसानों की फसल खरीद के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान अनाज मंडी में खरीद प्रक्रिया का जायजा लेते हुए अनाज मंडी में मौजूद किसानों से बातचीत करते हुए मंडी में आवश्यक सुधारों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि सरकार उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की फसल का भुगतान जल्द से जल्द करवाया जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने संबंधित विभाग व आढ़तियों को किसानों की उपज का जल्द से जल्द उठान करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि होडल अनाज मंडी को गार्डन अनाज मंडी के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसका एस्टीमेट बनाकर भिजवा दिया गया है। मार्डन मंडी बनने से सुविधाओं में विस्तार होगा। राजेश नागर ने मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के आदेश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यवस्था पूर्ण प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं, ऐसे में किसान सहभागी बनते हुए खरीद प्रक्रिया में अपना योगदान दें। अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर फसल की खरीद के दौरान किसानों को कोई परेशानी न हो इसके लिए संबंधित अधिकारी पूरी संजीदगी बरतते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करें।

राजस्थान के सांस्कृतिक राजदूत रहीस भारती और धोद बैंड की दुनियाभर में धूम

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के विश्व प्रसिद्ध कलाकार रहीस भारती के धोद बैंड ने इस वर्ष अपनी 25वीं वर्षगांठ स्पेन व फ्रांस में राजस्थानी लोक संस्कृति के बेमिसाल प्रस्तुतिकरण के साथ मनाई। धोद के कलाकारों ने 8 अप्रैल को स्पेन के संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में स्पेनिश फ्लेमेंको कलाकारों के साथ संयुक्त प्रस्तुति देकर भारत और स्पेन की सांस्कृतिक मैत्री के संगम का अनूठा दृश्य साकार किया। स्पेन में प्रस्तुति के लिए धोद बैंड को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। यह आयोजन 600 वर्ष पहले भारत से स्पेन पहुंची जिप्सी परंपरा की स्मृति में आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में मंत्री, महापौर और कई अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने शिरकत की। धोद बैंड राजस्थान का एकमात्र ग्रुप है जिसने पिछले 25 वर्ष से विश्व भर में घूम कर प्रदेश के संगीत को पहचान दिलाने की अपनी परंपरा को बरकरार रखा है। एक लाख से अधिक दर्शकों ने देखा ग्रामीण प्रतिभा का हुनर धोद ग्रुप को इससे पहले फ्रांस के रेन शहर में आयोजित देश के सबसे बड़े महोत्सव में आमंत्रित किया गया, जहां भारत को *गेस्ट कंट्री* के रूप में विशेष सम्मान दिया गया। 10 दिनों तक चली प्रस्तुतियों में एक लाख से अधिक दर्शकों ने राजस्थानी लोक संस्कृति की झांकी देखी। इस भव्य आयोजन में फ्रांस के मंत्री, सांसद, महापौर और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। धोद को फ्रांस के कई शहरों में होली महोत्सव के तहत भी आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने रंगों, संगीत और नृत्य के साथ भारत की परंपरा को पूरे यूरोप में प्रस्तुत किया। गौरतलब है कि राजस्थान के लोक कलाकार रहीस भारती के नेतृत्व में धोद बैंड अब तक 119 देशों में 1600 से अधिक प्रस्तुतियां दे चुका है और हर वर्ष 6 से 7 महीने तक दुनिया के विभिन्न देशों में भारत की लोक संस्कृति और परंपरा का प्रतिनिधित्व कर रहा है। रहीस भारती और धोद बैंड को पूरी दुनिया में राजस्थान का सांस्कृतिक राजदूत माना जाता है। उन्होंने न केवल राजस्थानी परंपराओं को जीवंत बनाए रखा है, बल्कि अब तक 700 से अधिक ग्रामीण कलाकारों को वैश्विक मंच प्रदान किया है। उन्होंने भारतीय लोक संस्कृति को संगीत, नृत्य और मेलजोल के माध्यम से विश्व मानचित्र पर एक विशिष्ट पहचान दी है। रहीस भारती ने बताया कि अपनी 25वीं वर्षगांठ पर धोद ग्रुप इस वर्ष स्पेन, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, पुर्तगाल, जर्मनी समेत कई देशों में प्रस्तुति देगा।

गंगा सिंचाई परियोजना योजना को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा बैठक

भागलपुर (हिंस)। गंगा नदी के पानी को लिफ्ट कर उसे विभिन्न जलाशयों में संग्रह कर किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सरकार की इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी मिलने के बाद उसे धरातल पर मूर्त रूप देने जिला प्रशासन द्वारा कवायद शुरू कर दिया गया है। इसको लेकर बुधवार को डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी के नेतृत्व में पूरी जिला प्रशासन की टीम ने सुल्तानगंज स्थित कमरगंज पंचायत के निकट गंगा नदी किनारे स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत डीएम ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि उपरोक्त परियोजना को पूरा करने में जिस-जिस विभाग का जो उत्तरदायित्व है, संबंधित विभागों को इसके लिए निर्देशित किया गया है। ताकि समय पर इस परियोजना को पूरा किया जा सके। इसी उद्देश्य से आज यहां सभी विभागों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया है। उल्लेखनीय है कि गंगा नदी भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदियों में से एक है और यह कृषि के लिए बहुत उपयोगी है। गंगा नदी के जल से सिंचाई करके किसान अपनी फसलों को बचा सकते हैं और अधिक पैदावार भी कर सकते हैं। यही कारण है कि इस परियोजना पर अधिक बल दिया जा रहा है। इसके पूर्व जिलाधिकारी ने डाक बंगला परिसर में संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान जिले के अधिकारियों के साथ स्थानीय पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान विभिन्न जलाषयों में गंगा का पानी स्टोर कर आसपास के किसानों के खेत में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध को लेकर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान एसडीओ धन्नजय कुमार, बीडीओ संजीव कुमार, सीओ रवि कुमार, थानाध्यक्ष विवेक कुमार जायसवाल सहित विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

यूपी के निर्यातक भी परेशान, टैरिफ के कारण नहीं मिल रहे क्रिसमस के आर्डर

मुरादाबाद

यूपी के मुरादाबाद में निर्यातको को टैरिफ के चलते मंदी का सामना करना पड़ रहा है। अभी साफ नहीं है कि किन उत्पादों पर अमेरिका ने टैरिफ लगाया है। ऐसे में क्रिसमस पर अमेरिकी ग्राहकों से मिलने वाले आइटमों के ऑर्डर भी अटक गए हैं। निर्यातकों की मानें तो हर साल मुरादाबाद को करीब 1500 करोड़ के क्रिसमस आइटम के ऑर्डर मिलते हैं, लेकिन अभी तक ग्राहकों ने ऑर्डर नहीं दिए हैं, जिसके चलते निर्यातक भी परेशान हैं। क्रिसमस का पर्व 25 दिसंबर को मनाया जाता है. लेकिन, इसकी तैयारी 15 मार्च के बाद शुरू हो जाती है। मुरादाबाद से विदेशों में जाने वाले ऑर्डर मार्च के आखिरी सप्ताह में मिलने लगते हैं। ऑर्डर मिलने की प्रक्रिया अप्रैल के आखिरी सप्ताह तक चलती है। इसके बाद निर्यातक जुलाई तक आर्डर तैयार करते हैं बाद में शिपमेंट के जरिए ऑर्डर अक्टूबर तक पहुंचते हैं। क्रिसमस ट्री सहित अन्य उत्पादों की खरीदारी के लिए अमेरिकी ग्राहक बड़ी संख्या में ऑर्डर देते हैं, लेकिन टैरिफ लगने के बाद से स्थिति बदल गई है। अमेरिकी ग्राहक उत्पादों के ऑर्डर देने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। जिन्होंने ऑर्डर दिए हैं, उन्होंने अभी तैयार नहीं करने को कहा है। अमेरिकी ग्राहक उत्पादों में भारी छूट मांग रहे हैं, जिसके चलते निर्यातक उत्पाद बहुत कम मात्रा में तैयार करा रहे हैं, साथ ही निर्यातक ऑर्डर को लेकर ग्राहकों के संपर्क में बने हुए हैं। क्रिसमस से संबंधित ये आइटम भेजे जाते हैं। क्रिसमस पर्व पर सबसे ज्यादा क्रिसमस ट्री की मांग रहती है। इसके अलावा कैंडल होल्डर, क्रिसमस हैगिंग, स्टाकिंग होल्डर, सेंटा, क्रिसमस होली बेरीज, गिफ्ट आइटम, हैगिंग एल्फाबेट, बाल्स, कैंडल वेबर, टेबल टाप आइटम, टेबल लॅप सहित छोटे-बड़े करीब 100 आइटम हैं, जिनकी क्रिसमस के मौके पर मांग रहती है।

हर साल मुरादाबाद को 1500 करोड़ के क्रिसमस आइटम के ऑर्डर मिलते हैं

न्यूज ब्रीफ

हाइड्रोजन कार हयूदै नेक्सो की सेकंड जनरेशन को ग्लोबली लॉन्च

नई दिल्ली। हयूदै ने अपनी लेटेस्ट हाइड्रोजन कार हयूदै नेक्सो की सेकंड जनरेशन को सियोल मोबिलिटी शो 2025 में ग्लोबली लॉन्च किया।नेक्सो हाइड्रोजन मोबिलिटी में हयूदै की लीडरशिप को दर्शाती है, जो अब बैटरी इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड के साथ एफसीईवीएस को भी अपने पोर्टफोलियो में शामिल कर चुकी है। यह कार फ्यूल सेल इलेक्ट्रिक व्हीकल तकनीक पर आधारित है और मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में आती है। हयूदै नेक्सो की सबसे बड़ी खासियत है कि यह सिर्फ 5 मिनट की फ्यूलिंग में 700 किमी की रेंज प्रदान करती है। कार का डिजाइन इनीटियम कॉन्सेप्ट पर आधारित है और इसमें 'आर्ट ऑफ स्टील' थीम को अपनाया गया है, जो इसे रग्ड और ऑफ रोड लुक देता है। एक्सटीरियर में 4 डॉट एलईडी लैंप्स के साथ 993 लीटर का बूटस्पेस दिया गया है, जो इसे और प्रैक्टिकल बनाता है। इंटीरियर में यह कार कर्व्ड, ड्राइवर सेंट्रिक डिस्प्ले, आइलैंड टाइप सेंटर कंसोल और डिजिटल साइड मिरर्स जैसी प्रीमियम सुविधाएं देती है। रिलैक्स सीट्स, लैग रेस्ट, और सेकंड रो में बेहतर हेडरूम-शोल्डर स्पेस यात्रियों को कंफर्टेबल अनुभव देते हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें 9 एयरबैग्स और लेटेस्ट अडास टेक्नोलॉजी भी शामिल है, जो यात्रियों और हाइड्रोजन सिस्टम की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।कार 6 आकर्षक कलर ऑप्शन्स में उपलब्ध है। नेक्सो में 2.64 केडब्ल्यूएच की बैटरी और हाइड्रोजन फ्यूल सेल स्टैक है, जो मिलकर 201 बीएचपी तक की पावर उत्पन्न करते हैं। यह कार मात्र 7.8 सेकंड में 0 से 100 केएमपीएच की रफ्तार पकड़ सकती है।

कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का हुआ विलय, 1 मई से लागू करने अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कई क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के विलय को 1 मई से लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अधिनियम के तहत प्रदान की गई शक्तियों के मुताबिक इन क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का विलय कर एक इकाई बनाई जाएगी और इन्हें अपनी संपत्तियां, शक्तियां, अधिकार, दायित्व और कर्तव्य विरासत में मिलेंगे। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के इस नए ढांचे का मकसद कार्यप्रणाली को बेहतर बनाना और इनके प्रायोजक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में प्रतिस्पर्धा को न्यूनतम करना है। यह केंद्रीय वित्त मंत्रालय की एक राज्य, एक आरआरबी नीति का हिस्सा है। वित्त मंत्रालय की इस नीति के बारे में सबसे पहले जानकारी सितंबर 2024 में दी गई थी। इस अधिसूचना में कई राज्यों के कई बैंकों के विलय की जानकारी दी गई है। इस विलय का मकसद ज्यादा व्यापक और मजबूत क्षेत्रीय संस्थान बनाना है। इस क्रम में आंध्र प्रदेश में चैतन्य गोदावरी ग्रामीण बैंक, आंध्र प्रगति ग्रामीण बैंक, सप्तगिरि ग्रामीण बैंक और आंध्र प्रदेश ग्रामीण विकास बैंक का विलय कर आंध्र प्रदेश ग्रामीण बैंक बनाया जाएगा। इसका मुख्यालय आंध्र प्रदेश के अमरावती में होगा और इसका प्रायोजक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया होगा।

स्कोडा ने इलेक्ट्रिक एसयूवी एलरॉक वीआरएस से आखिरकार पर्दा उठाया

नई दिल्ली। कारों का निर्मान करने वाली कंपनी स्कोडा ने अपनी सबसे तेज इलेक्ट्रिक एसयूवी एलरॉक वीआरएस से आखिरकार पर्दा उठा दिया है। इस एसयूवी को कुछ कॉस्मेटिक बदलावों के साथ पावरफुल अपग्रेड्स भी मिले हैं। एलरॉक वीआरएस का डिजाइन बेस मॉडल जैसा ही है, लेकिन इसमें नया बॉडी-कलर्ड फ्रंट बंपर, हनीकॉम्ब एयर डैम, वीआरएस बैजिंग, ब्लैक रूफ रेल्स और इल्यूमिनेटेड ग्रिल जैसे एक्सक्लूसिव एलिमेंट्स जोड़े गए हैं। खास बात यह है कि इसे वीआरएस-एक्सक्लूसिव मम्बा ग्रीन पेंट में पेश किया गया है। एसयूवी में एलईडी मैट्रिक्स हेडलाइट्स, 20-इंच अलॉय व्हील्स (वैकल्पिक 21-इंच के साथ), ब्लैक्ड-आउट रियर बंपर, रिफ्लेक्टर स्ट्रिप और टिंटेड रियर विंडोज जैसे एलिमेंट्स मिलते हैं। इंटीरियर में हरे एक्सेंट्स के साथ अलकांतारा फिनिश, 5-इंच डिजिटल डिस्प्ले, 13-इंच टचस्क्रीन और ऑगमेंटेड रियलिटी हेड्स-अप डिस्प्ले जैसी आधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

लंदन में भारत-ब्रिटेन निवेशक गोलमेज सम्मेलन में 60 निवेशकों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने लंदन में भारत-ब्रिटेन निवेशक गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता की। सम्मेलन में विभिन्न पेंशन कोष, बीमा कंपनियों, बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले ब्रिटेन के करीब 60 निवेशकों ने हिस्सा लिया।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक्स पोस्ट में बताया कि मंगलवार शाम आयोजित उच्चस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में नीतिगत समर्थन के साथ सतत आर्थिक वृद्धि और निवेश अवसरों को सक्षम बनाने के लिए सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया गया, जिसके जरिए ''न्यू इंडिया'' को आकार दिया जा रहा है।

वित्त मंत्री ने नीतिगत समर्थन के साथ सतत आर्थिक विकास और निवेश अवसरों को सक्षम करने के लिए भारत सरकार की प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जो नए भारत को आकार दे रहा है। उन्होंने इस सम्मेलन में अनुपालन बोझ को कम करने और व्यापार एवं निवेश के लिए सक्षम वातावरण की सुविधा के लिए विनियमन को आसान बनाने के लिए प्रक्रिया और शासन सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। सीतारमण ने कहा कि विस्तारित मध्यम वर्ग तथा मजबूत एवं स्थिर नीतिगत माहौल के साथ भारत 2032 तक छठा सबसे बड़ा बीमा बाजार बनने के लिए तैयार है। इसमें वित्त वर्ष 2024-2028 तक सालाना आधार पर 7.1 फीसदी की वृद्धि होगी। यह जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ते बीमा बाजारों में से एक होगी। वित्त मंत्री ने सम्मेलन में उपस्थित लोगों को बताया गया कि मार्च, 2025 तक बैंक, पूंजी बाजार, बीमा, वित्त प्रौद्योगिकी, विमान पट्टे, जहाज पट्टे, बुलियन एक्सचेंज आदि क्षेत्रों की 800 से अधिक संस्थाएं आईएफएससीए के साथ पंजीकृत हो चुकी हैं। सीतारमण ने भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को उसके आर्थिक वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में रेखांकित करते हुए प्रतिभागियों से कहा कि भारत घरेलू यूनिकॉर्न की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और इसने वित्त वर्ष 2022-23 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 11.74 फीसदी का योगदान दिया है। उल्लेखनीय है कि सीतारमण 13वीं मंत्रिस्तरीय भारत-ब्रिटेन आर्थिक एवं वित्तीय वार्ता (ईएफडी) के लिए ब्रिटेन की यात्रा पर हैं, जहां वह अपनी ब्रिटेन की समकक्ष चांसलर रेचल रीव्स के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगी।

रिजर्व बैंक का चालू वित्त वर्ष 2025-26 में जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वैश्विक व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ रेट में 0.20 फीसदी की कटौती की है। रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.70 फीसदी से घटाकर 6.50 फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के मकसद से नीतिगत दर रेपो को 0.25 फीसदी घटाकर छह फीसदी कर दिया है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली दिवसीय द्वमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक के बाद नतीजों की जानकारी देते हुए यह ऐलान किया। उन्होंने कहा कि जलाशयों की बेहतर स्थिति और 2025-26 में फसल उत्पादन अच्छा रहने के अनुमान से कृषि क्षेत्र की संभावनाएं उज्ज्वल बनी हुई हैं। संजय मल्होत्रा ने कहा कि इन आधारभूत अनुमानों के बीच जोखिम समान रूप से संतुलित है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अस्थिरता में हाल ही में हुई वृद्धि के मद्देनजर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। ऐसे में हमने जीडीपी वृद्धि दर के फरवरी में लगाए गए 6.70 फीसदी के अनुमान में 0.20 फीसदी की कटौती की है। उन्होंने कहा कि जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में यह कटौती वैश्विक व्यापार और नीतिगत अनिश्चितताओं की वजह से की गई है। आरबीआई गवर्नर कहा कि इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि अब 6.50 फीसदी रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था के 6.50 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.70 फीसदी, तीसरी तिमाही में 6.60 फीसदी और चौथी तिमाही में 6.30 फीसदी रहने का अनुमान है। संजय मल्होत्रा ने कहा कि विनिर्माण गतिविधियों में सुधार के संकेत दिख रहे हैं। कारोबारी उम्मीदें मजबूत बनी हुई हैं, जबकि सेवा क्षेत्र की गतिविधियां भी जुझारू क्षमता का प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी आई है। उच्च क्षमता उपयोग, सरकार के बुनियादी ढांचे पर खर्च को लेकर जोर, बैंकों और कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार के कारण आगे निवेश और बढ़ने की उम्मीद है।

कर्ज लिया 6 हजार करोड़ का और बैंकों ने की 14 हजार करोड़ की वसूली

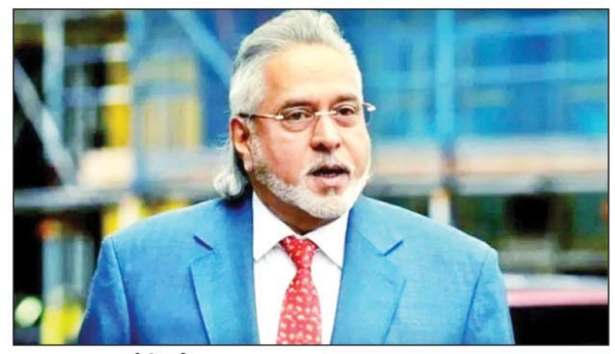

नई दिल्ली

भारत का भगोड़ा शराब कारोबारी विजय माल्या ने फिर भारतीय बैंकों पर आरोप लगाया है। उसने दावा किया है कि उनसे जितना कर्ज लिया था उससे कहीं ज्यादा संपत्ति भारतीय बैंकों ने पहले ही वसूल कर ली है। माल्या ने वित्त मंत्रालय की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि बैंकों ने 6,203 करोड़ रुपए के कर्ज के बदले 14,131.8 करोड़ रुपए की संपत्तियां जब्त की हैं।

विजय माल्या ने इस मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने 6,203 करोड़ रुपए की वसूली का आदेश दिया था जबकि बैंकों ने अब तक उससे कहीं ज्यादा वसूली कर ली है। इसके साथ ही उसने यह भी सवाल उठाया कि जब उनके यूके में दिवालिया मामले की सुनवाई होगी तो उस समय बैंकों का क्या जवाब होगा। वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट में विजय माल्या का नाम प्रमुखता से लिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि माल्या समेत 10 बड़े आर्थिक अपराधियों के खिलाफ संपत्तियां कुर्क की गई हैं। माल्या की जब्त की गई 14,131.6 करोड़ की संपत्तियां अब भारतीय बैंकों को सौंप दी गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 36 भगोड़ों के प्रत्यर्पण के लिए 44 अनुरोध कई देशों को भेजे गए हैं। ऋण वसूली न्यायाधिकरण ने 2017 में भारतीय स्टेट बैंक और अन्य बैंकों को विजय माल्या और उनकी कंपनियों से 6,203 करोड़ की वसूली का आदेश दिया था। यह कर्ज किंगफिशर एयरलाइंस को दिए गए ऋण के लिए था जिसमें सालाना 11.5 फीसदी ब्याज दर लागू की गई थी। माल्या का दावा है कि उन्होंने पहले ही पूरी राशि चुकाने की पेशकश की थी लेकिन बैंकों और सरकार ने उनका प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया था। माल्या 2016 में ब्रिटेन चले गए थे और तब से उनकी प्रत्यर्पण प्रक्रिया चल रही है। वहीं विजय माल्या के दावे से यह सवाल उठता है कि क्या बैंकों ने वसूली की प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी वहीं माल्या के इस आरोप के बाद अब यह देखना होगा कि उनके खिलाफ चल रही प्रत्यर्पण प्रक्रिया में बैंकों की भूमिका क्या होगी।

भगोड़े शराब कारोबारी विजय माल्या ने फिर लगाया भारतीय बैंकों पर आरोप

शेयर बाजार की कीमतों को देखते हुए लोग

जापान के टोक्यो में एक शेयर बाजार से जुड़ी कंपनी में लगी स्क्रीन पर निकेई की कीमतों को देखते हुए लोग।

ट्रंप के टैरिफ के बाद अब सऊदी अरब ने किया रेट कट, कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट

नई दिल्ली

दुनिया एक बार फिर से मंदी की ओर बढ़ रही है, इसकी वजह है ट्रंप का सभी देशों पर टैरिफ लगाना। टैरिफ को लेकर अनिश्चितता और सऊदी अरब द्वारा रेट कट के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है और यह 4 साल के निचले स्तरों पर पहुंच गई है। ब्रेंट क्रूड साढ़े 3 फीसदी गिरकर 60.60 डॉलर प्रति बैरल के लेवल पर पहुंच गया है। वहीं, क्रूड यूएसडी 57.28 डॉलर प्रति बैरल पर है। कमोडिटी बाजार के जानकारों के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते टैरिफ वॉर और सऊदी अरब द्वारा रेट कट के कारण मांग संबंधी चिंताओं के कारण कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। कच्चे तेल की कीमतें लाल निशान पर कारोबार करती रहेंगी और 52 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को छू सकती हैं। ऐसे में दुनिया में मंदी का खतरा बढ़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक एचडीएफसी सिक्योरिटीज में कमोडिटी और करेंसी हेड ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतें चार साल के निचले स्तर पर पहुंच गईं। इसकी बड़ी वजह अमेरिका-चीन के बीच व्यापार युद्ध तेज होना है, जिसके कारण मंदी और कमजोर मांग को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब द्वारा उत्पादन बढ़ाने और तेल की कीमतों में कमी करने की घोषणा भी कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट का एक कारण है। रिपोर्ट में एक चाइनीज एक्सपर्ट ने कहा कि टैरिफ को लेकर चीन की आक्रामक जवाबी कार्रवाई से विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच समझौते की संभावना कम है।

टेस्ला के भारत आने को लेकर चिंतित नहीं बीएमडब्ल्यू ग्रुप

नई दिल्ली

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने कहा कि वह टेस्ला के भारत आने को लेकर चिंतित नहीं है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और सीईओ विक्रम पावाह का मानना है कि टेस्ला के आने से इलेक्ट्रिक कार बाजार को आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। पावाह ने कह कि मुझे लगता है कि बाजार बढ़ना चाहिए।

जब भी अधिक प्रतिस्पर्धा होती है, तो हमने देखा है कि बाजार बढ़ता है। पहले से ही कर रहे मुकाबला उनसे पूछा गया था कि टेस्ला के भारत में प्रवेश करने के साथ ईवी बाजार कैसे आकार लेगा और इसपर बीएमडब्ल्यू का क्या रुख रहेगा। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता से प्रतिस्पर्धा के बारे में पूछे जाने पर पावाह ने कहा, ''दुनिया के सभी बाजारों में, हम साथ-साथ मौजूद हैं। आप पिछले साल दुनियाभर के आंकड़े देख सकते हैं, हम ही हैं जो आगे बढ़ रहे थे। वैश्विक स्तर पर हमारी ईवी की बिक्री बढ़ी है।'' उन्होंने कहा कि बहुत अधिक विनिर्माता इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में वृद्धि के बारे में बात नहीं कर सकते हैं।

वर्ष 2024 में बीएमडब्ल्यू ग्रुप ने कुल 4,26,594 पूर्ण-इलेक्ट्रिक वाहन बेचे और ईवी की बिक्री में उसने 13.5 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। बीएमडब्ल्यू और मिनी दोनों ब्रांड ने क्रमशः 3,68,523 इकाइयों (11.6 प्रतिशत) और 56,181 इकाइयों (24.3 प्रतिशत) के साथ इलेक्ट्रिक वाहन बिक्री में दो अंकीय वृद्धि दर्ज की। फरवरी से टेस्ला ने नियुक्तियां शुरू की फरवरी में टेस्ला ने भारत में विभिन्न भूमिकाओं के लिए नियुक्तियां शुरू की हैं। इनमें कारोबार परिचालन विश्लेषक और ग्राहक सहायता विशेषज्ञ शामिल हैं। यह कंपनी के भारतीय बाजार में प्रवेश का संकेत देता है। भारत में बीएमडब्ल्यू ग्रुप की इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में संभावनाओं पर पावाह ने कहा कि वर्तमान में यह कुल बिक्री का 17 प्रतिशत हिस्सा है। 2025 की जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी की भारत में वाहन बिक्री सात प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,914 इकाई रही है।

उन्होंने कहा, ''हमारा लक्ष्य 2025 में कुल बिक्री का 15 प्रतिशत ईवी से हासिल करना है और हम इसे पार कर लेंगे। हम 20 प्रतिशत तक भी जा सकते हैं। लेकिन 15 प्रतिशत हमारा लक्ष्य है। हमें खुशी है कि हम इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'' बता दें कि एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में आने की तैयारी कर रही है।

पूरी तरह इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई विटारा' पेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी अब इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट में कदम रखने को तैयार है। मारुति सुजुकी ने ऑटो एक्सपो 2025 में अपनी पहली पूरी तरह इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई विटारा' (ईवीएक्स) को पेश किया है, जो साल 2025 की पहली छमाही के अंत तक लॉन्च हो सकती है। यह मारुति की इस साल लॉन्च होने वाली एकमात्र नई एसयूवी होगी, जो पूरी तरह नए प्लेटफॉर्म और पावरट्रेन पर आधारित होगी। ई विटारा को दो बैटरी विकल्पों के साथ पेश किया जाएगा। पहला 49 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक होगा, जो सिंगल मोटर और फ्रंट-व्हील ड्राइव लेआउट में आएगा। यह वेरिएंट 144 बीएचपी की पावर और 189 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। दूसरा विकल्प 61 केडब्ल्यूएच बैटरी का होगा, जो दो कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध होगा - एक सिंगल मोटर एफडब्ल्यूडी और दूसरा डुअल मोटर एडब्ल्यूडी । एफडब्ल्यूडी वेरिएंट 172 बीएचपी की पावर और 192.5 एनएम टॉर्क देगा, जबकि एडब्ल्यूडी वेरिएंट 184 बीएचपी की संयुक्त पावर और 300 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा।

नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा डायमंड लीग के साथ करेंगे सीजन की शुरुआत

नई दिल्ली

भारत के डबल ओलंपिक पदक विजेता, भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह 2025 सीजन की शुरुआत कतर की राजधानी दोहा में 16 मई को होने वाली डायमंड लीग मीट से करेंगे।

टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड और फिर 2024 पेरिस ओलंपिक में सिल्वर पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा कि वह एक बार फिर से दोहा में दुनिया के सबसे जोशिलें एथलेटिक्स दर्शकों के सामने प्रदर्शन करने का इंतजार कर रहे हैं। चोपड़ा ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के विश्व रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की थी। अपने तीसरे दोहा दौरे से पहले उन्होंने कतर में भारतीय प्रशंसकों से मिलने वाली भरपूर समर्थन का जिक्र किया और कहा, मैं हमेशा कतर में भारतीय लोगों से मिलने वाली तारीफों से अभिभूत हो जाता हूँ, और इसके लिए शब्दों की कमी महसूस होती है। 27 वर्षीय चोपड़ा, जिनका कोच अब चेक गणराज्य के विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक एवं विश्व चैंपियन जान जेलेज़नी हैं, ने भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाईयों तक पहुँचाया है। वह ओलंपिक गोल्ड और विश्व चैंपियनशिप गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट बने। इसके साथ ही उन्होंने डायमंड लीग मीटिंग जीतने और डायमंड लीग टाइटल जीतने वाले पहले भारतीय का गौरव भी प्राप्त किया। हालांकि, पिछले सीजन में चोपड़ा को कुछ कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और वह ओलंपिक फाइनल में अर्जद नदीम से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि डायमंड लीग फाइनल में एंडरसन पीटर्स से भी दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, पिछला साल मेरे लिए बहुत कुछ सिखाने वाला था, लेकिन मुझे भारतीय ध्वज के नीचे ओलंपिक खेलों में पदक जीतने पर गर्व है। अब मैं पूरी तरह फिट हूं और जान जेलेज़नी के साथ मेहनत कर रहा हूं। मुझे दोहा में अपने सीजन की शुरुआत का बेसब्री से इंतजार है। उन्होंने कहा, कतर स्पोर्ट्स क्लब में दर्शक हमेशा ही जोर से उत्साहित होते हैं, और मुझे लगता है कि यह हमारे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बाहर लाता है। मुझे पता है कि यहाँ के दर्शक मुझसे बड़ी उम्मीदें रखते हैं, और अगर अच्छे हालात और शानदार माहौल हो, तो यह संभव है।

न्यूज ब्रीफ

पंजाब किंग्स का समर्थन करती दिखीं महविश, प्रशंसकों ने चहल से जोड़ा

मोहाली। आईपीएल में पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बीच मैच में आरजे महविश को देखते ही अटकलों का नया दौर शुरु हो गया। इममें पंजाब किंग्स टीम ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को हराया। इस मैच में महविश को देखते ही कहा जाने लगा कि वह स्पिनर यजुवेन्द्र चहल को देखने पहुंची हैं। फैंस इसी कारण वह पंजाब किंग्स का समर्थन कर रही हैं। मैच के 17वें ओवर में नूर अहमद की गेंद पर पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शशांक सिंह ने छक्का लगाने का प्रयास और इस मैदान वह कैच आउट होते-होते बचे। ऐसे में पंजाब के प्रशंसकों के साथ ही महविश की बेहद उत्साहित दिखीं। वह इस दौरान टीम का हौंसला बढ़ाती दिखीं। महविश पहले भी कई बार चहल की टीम का समर्थन करने स्टेडियम में दिखी हैं। इससे पहले चैंपियंस ट्रॉफी में जब वह चहल के साथ बैठी नजर आयीं थीं। इस मैच में पंजाब के शशांक ने मार्को यानसेन के साथ सातवें विकेट के लिए 65 रन बनाकर टीम को 200 रनों से ऊपर पहुंचाया। गौरतल है कि चहल का हाल ही में अपनी पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक हुआ है। उसके बाद से ही चहल और महविश के बीच डेटिंग की खबरें आई हैं।

आईपीएल अंक तालिका में सीएसके को हुआ नुकसान , सुपर जायंट्स को लाभ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग के खिलाफ मिली हार के बाद अंक तालिका में हल्का बदलाव आया है। सीएसके अब नौवें स्थान पर खिसक गयी है। वहीं एक अन्य मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली जीत के बाद एक स्थान का लाभ हुआ है। पंजाब किंग्स ने इस सत्र में तीसरा मैच जीता पर वह अभी भी चौथे पायदान पर ही है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) दूसरे जबकि गुजरात टाइटन्स है तीसरे व दिल्ली कैपिटल्स पहले नंबर पर है। शीर्ष पांच में शामिल सभी टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं पर नेट रन रेट के कारण पंजाब की टीम इस समय चौथे पायदान पर फिसल गयी है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स एक और जीत के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। लखनऊ के भी 6 अंक हैं पर नेट रन रेट अच्छा नहीं हैं। नंबर 6 पर पहुंची केकेआर के खाते में 4 अंक हैं, उसने 5 में से 2 मुकाबले जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने भी दो मुकाबे जीते हैं पर रॉयल्स ने चार मैच खेले हैं, इसलिए टीम सातवें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस पांच में से चार मुकाबलों में मिली हार से आठवें नंबर पर जबकि सीएसके नौवें नंबर पर है। दसवें स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है।

श्रेयस, रविंद्र और डफी आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ अवार्ड की दौड़ में शामिल

ICC

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर पुरस्कार के लिये नामांकित किया है। श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से शानदार रहा है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उसमें अय्यर ने पांच मैचों में दो अर्धशतकों की सहायता से 243 रन बनाये थे। आईसीसी ने कहा , ''इस बल्लेबाज ने तीन एकदिवसीय में 57.33 की औसत से 172 रन बनाये और टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये। भारतीय टीम की खिताबी जीत में भी श्रेयस की अहम भूमिका रही। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में 79 रन बनाये और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 रन बनाये। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 48 रन भी बनाये।'' विश्व क्रिकेट की शीर्ष संस्था के अनुसार श्रेयस की पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने और साझेदारियां बनाने की क्षमता काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन ने कीवी टीम की ओर से चार मैचों में दो शतक सहित 263 रन बनाये और तीन विकेट भी लिये जबकि डफी ने मार्च में 6.17 की इकॉनामी रेट से 13 लिए। वहीं महिला क्रिकेट की बात करें तो सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड, अमेरिका की चेतना प्रसाद और ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शामिल हैं।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कप : सुरुचि और विजयवीर ने भारत को दिलाए दो स्वर्ण

नई दिल्ली

ब्यूनस आयर्स (अर्जेंटीना) में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में मंगलवार को भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन को पदक तालिका में पछाड़ दिया है। सुरुचि सिंह और विजयवीर सिद्धू ने अपने-अपने वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर भारत की झोली में कुल चार स्वर्ण पदक डाल दिए। सुरुचि ने चीन की तीन निशानेबाजों को पछाड़ा, 10 मीटर एयर पिस्टल में गोल्ड 18 वर्षीय सुरुचि इंदर सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में दमदार वापसी करते हुए चीन की तीन निशानेबाजों को पीछे छोड़ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। फाइनल के नौवें शॉट तक सुरुचि केवल कियान वेई से पीछे थीं, लेकिन एक दुर्लभ 8.9 स्कोर ने उन्हें चौथे स्थान पर पहुंचा दिया। इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और 10.7 तथा 10.8 जैसे शॉट्स के दम पर बढ़त बना ली। चार एलिमिनेशन के बाद वेई के साथ उनकी बढ़त 0.5 अंकों की थी। ओलंपिक मेडलिस्ट जियांग रैनशिन ने शूट-ऑफ में याओ कियानसुन को हराकर कांस्य पदक जीता। क्वालिफिकेशन में भी सुरुचि ने 583 स्कोर के साथ टॉप किया था। चीन की वेई (582-23×) और रैनशिन (582-17×) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। विजयवीर का विजयपथ जारी, 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में स्वर्ण पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में विजयवीर सिद्धू ने खराब शुरुआत के बावजूद शानदार वापसी करते हुए गोल्ड मेडल जीता। पहले सीरीज में उन्होंने केवल एक शॉट पर निशाना लगाया था, लेकिन अगली तीन सीरीज में चार-चार निशाने लगाकर वह दूसरे स्थान पर पहुंच गए। जैसे ही रूस के इवान सेमिनिखिन बाहर हुए, विजयवीर ने पांच हिट के साथ मुकाबले पर पकड़ बनानी शुरू की। अंत में भारत के विजयवीर और इटली के रिकार्डो माजेट्टी 25 हिट के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे। चीन के यांग यूहाओ को 23 हिट के साथ कांस्य से संतोष करना पड़ा। अन्य भारतीय गुरप्रीत सिंह (10वें स्थान पर, 575 अंक) और अनीश भनवाला (13वें स्थान पर, 570 अंक) फाइनल में जगह नहीं बना सके। पदक तालिका में भारत शीर्ष पर भारत अब तक इस टूर्नामेंट में 4 स्वर्ण, 1 रजत और 1 कांस्य जीत चुका है। चीन तीन स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है।

भारत एक मजबूत टीम, इसका दबदबा विश्व क्रिकेट पर बना रहेगा: हेड

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड ने भारत को मौजूदा समय की सबसे मजबूत टीम बताया है। उन्होंने माना कि आने वाले सालों में भी भारत का दबदबा विश्व क्रिकेट पर बना रहेगा। हेड ने पिछले कुछ सालों में भारत के खिलाफ कई अहम मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया है। 2023 में भारत के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में उन्होंने शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को खिताब दिलवाया था। इन प्रदर्शन के बावजूद ट्रैविस हेड ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ की। हेड ने कहा कि भारत हमेशा से एक मजबूत टीम रही है और आगे भी उसका वर्चस्व कायम रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत आईसीसी टूर्नामेंट्स के फाइनल तक पहुंचता है और यह रुकने वाला नहीं है। उन्होंने माना कि भारत जैसी टीम का सामना करना हमेशा बड़ी चुनौती रही है। हेड ने बताया कि पिछले चार आईसीसी टूर्नामेंट्स में ऑस्ट्रेलिया का दो बार फाइनल में भारत से सामना हुआ, जिसमें उनका पलड़ा भारी रहा, लेकिन भारत ने पिछले दो इवेंट्स में बाज़ी मारी। ट्रैविस हेड ने भारतीय टीम पर हमेशा बने रहने वाले दबाव का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत की टीम पर हर समय उम्मीदों का बोझ रहता है। यह उनके लिए अच्छा भी हो सकता है और नुकसानदायक भी। एक विपक्षी टीम के तौर पर कभी-कभी इसका फायदा भी उठाया जा सकता है। विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, केन विलियम्सन और जो रूट की बात करते हुए हेड ने कोहली और स्मिथ की तारीफ की। उन्होंने कहा कि विराट की फिटनेस कमाल की है और वे अपने खेल में तेजी से बदलाव लाते हैं। वहीं स्मिथ शांत हैं और उन्हें खुद पर पूरा भरोसा होता है। हेड ने माना कि इस तरह के चार दिग्गज खिलाड़ियों को एक साथ दोबारा देख पाना शायद मुमकिन नहीं होगा।

प्रो पंजा लीग का बहुप्रतीक्षित दूसरा सीज़न 5 अगस्त से

मुंबई

भारत की सबसे रोमांचक और तेजी से लोकप्रिय हो रही आर्म रेसलिंग लीग प्रो पंजा लीग का दूसरा सीजन 5 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। लीग का पहला सीजन काफी सफल रहा था, जिसे लाखों दर्शकों ने देखा और पसंद किया। ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल के आंकड़ों के अनुसार पहले सीजन ने सोनी स्पोर्ट्स और दूरदर्शन पर कुल मिलाकर 3.2 करोड़ यूनिक व्यूअर्स बटोरे थे।

, जो कई नई लॉन्च हुई लीग्स से कहीं ज्यादा रहा। इस सफलता को देखते हुए आयोजक अब दूसरे सीजन को और भी बड़े स्तर पर लाने को तैयार हैं।

लीग आईपीएल स्टाइल फॉर्मेट में खेली जाएगी, जिसमें कई फ्रेंचाइज़ियां एक-दूसरे से भिड़ेंगी। 17 दिन तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का हर मुकाबला रोमांच से भरपूर होगा। पहले सीजन में कोच्चि केडी ने खिताब अपने नाम किया था और अब सभी की निगाहें नए चैम्पियन पर टिकी होंगी। लीग का सीजन 2 ऐसे समय में शुरू हो रहा है, जब ठीक एक दिन पहले ही भारत-इंग्लैंड टेस्ट सीरीज 4 अगस्त को समाप्त होने जा रही है।क्रिकेट के बाद अब आर्म रेसलिंग का रोमांच भरपूर एंटरटेनमेंट देगा।

लीग के सह-संस्थापक परवीन डबास ने बताया, पहले सीजन को जैसी प्रतिक्रिया मिली, हम उससे गदगद हैं। अब आर्म रेसलिंग सिर्फ़ खेलने का शौक नहीं रहा, यह अब प्रोफेशनल स्पोर्ट बन चुका है। इस बार प्रतियोगिता का स्केल भी कहीं ज्यादा बड़ा होगा। उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में मिजोरम में हुए प्रो पंजा मेगा मैचों में 15 से 20 हजार दर्शकों ने लाइव मुकाबले देखे। डबास ने विश्वास जताया कि दूसरे सीजन के बाद लीग और भी ज्यादा घर-घर पहुंच जाएगी।

महिला नेशंस लीग फुटबॉल

बेल्जियम में महिला नेशंस लीग फुटबॉल मैच में गोल करने से उत्साहित बेल्जियम की जस्टिन और उनकी साथी खिलाड़ी।

आईपीएल 2025 : क्रिकेट जगत के नए सुपरस्टार बने प्रियांश आर्य

नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) की एक रात, जिसे प्रियांश आर्य कभी नहीं भूल पाएंगे—और शायद क्रिकेट प्रेमी भी नहीं। मंगलवार को पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए इस 24 वर्षीय बल्लेबाज़ ने महज 42 गेंदों में 103 रन ठोक दिए। पहली ही आईपीएल सीज़न, पहला ही शतक और वह भी ऐसे अंदाज़ में कि सोशल मीडिया पर उनकी पारी के वीडियो वायरल होने लगे। क्रिकेट के इस महाकुंभ में यह किसी फिल्मी स्क्रिप्ट जैसा डेब्यू था।

पहले ही ओवर से मचा दिया धमाल

प्रियांश ने अपनी पारी की शुरुआत ही धमाकेदार अंदाज़ में की। मैच की पहली ही गेंद पर खलील अहमद को डीप पॉइंट के ऊपर से छक्का जड़ा और पहले ओवर में कुल 16 रन बटोरे। शुरुआत से ही वह आक्रामक तेवरों में नजर आए और विकेट गिरने के बावजूद अपनी लय में बने रहे। उनकी 103 रनों की पारी में 7 चौके और 9 छक्के शामिल रहे।

कोच ने बताया 'स्पेशल प्लेयर'

मैच के बाद पंजाब किंग्स के असिस्टेंट कोच ब्रैड हैडिन ने प्रियांश की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, पहली ही प्रैक्टिस गेम में हमें पता चल गया था कि यह लड़का कुछ खास है। जब जोफ्रा आर्चर की गेंद पर आउट हुआ था, तब भी उसने माना कि वो एक बेहतरीन बॉल थी। लेकिन आज उसने दिखा दिया कि वह कितनी तेजी से सीखता है और कितना दमदार खिलाड़ी है।

कौन हैं प्रियांश आर्य

प्रियांश आर्य ने 2024 में दिल्ली प्रीमियर लीग में तब सुर्खियां बटोरी थीं, जब उन्होंने एक ही ओवर में लगातार छह छक्के जड़े थे। दक्षिण दिल्ली सुपरस्टार्ज़ के लिए खेलते हुए उन्होंने 120 रन बनाए थे जिसमें 10 चौके और 10 छक्के शामिल थे। उस पारी में उनकी टीम ने 308/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी से आईपीएल तक का सफर

2023-24 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में प्रियांश दिल्ली के टॉप रन स्कोरर रहे थे। उन्होंने 7 पारियों में 222 रन बनाए, जिसमें एक शतक भी शामिल था जो उन्होंने वानखेड़े स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ 10 छक्के लगाकर पूरा किया था। आईपीएल 2024 की नीलामी में वह नहीं बिके थे, लेकिन इस बार पंजाब किंग्स ने उन्हें 3.8 करोड़ में खरीदकर टीम में शामिल किया – और अब उन्होंने दिखा दिया कि वह इस कीमत के हर रुपये के हकदार हैं।

भारत बिली जीन किंग कप के पहले मैच में न्यूजीलैंड से 2-1 से हारा; श्रीवल्ली ने आइशी दास को हराया

पुणे

भारत ने मंगलवार को बिली जीन किंग कप एशिया-ओशिनिया ग्रुप 1 मुकाबलों में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अभियान की अच्छी शुरुआत की। मेजबान टीम ने शानदार शुरुआत की और श्रीवल्ली भामिदिपति ने अपने मैच में बेहतरीन जीत दर्ज की, लेकिन न्यूजीलैंड ने वापसी करते हुए बेहतर प्रदर्शन किया और पुणे के म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस कॉम्प्लेक्स में 2-1 से मुकाबला जीत लिया।

भारत के लिए सबसे पहले श्रीवल्ली भामिदिपति का सामना आइशी दास से हुआ। भारतीय युवा खिलाड़ी (जो अब तक लगातार रैंकिंग में ऊपर जा रही हैं) ने राष्ट्रीय टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। श्रीवल्ली ने मात्र एक घंटे के अंदर ही 6 ऐस और एक बेहतरीन ब्रेक-पॉइंट कन्वर्सेशन रेट के साथ एक व्यापक जीत हासिल की। श्रीवल्ली ने यह मुकाबला 6-1, 6-1 से जीता और भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में 1-0 की बढ़त दिलाई।

भारत बनाम न्यूजीलैंड मुकाबले के दूसरे मैच में सहजा यमलापल्ली ने दूसरे एकल मैच में अनुभवी लुलु सुन का सामना किया। युवा भारतीय खिलाड़ी को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी ने कोर्ट और अपनी ताकत का बुद्धिमानी से इस्तेमाल किया। यह मैच एक घंटे और 13 मिनट तक चला, जिसमें लुलु सुन ने सहजा को अपने अंकों के लिए कड़ी मेहनत करने पर मजबूर कर दिया। आखिरकार, न्यूजीलैंड की खिलाड़ी ने 6-3, 6-3 से जीत दर्ज कर मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया।

डबल्स मुक़ाबले में भारत की अनुभवी जोड़ी अंकिता रैना और प्रार्थना थोम्बरे का सामना लुलु सुन और मोनिक बैरी की कीवी जोड़ी से हुआ। भारतीय जोड़ी ने फ्लडलाइट्स में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, लेकिन लुलु सन और मोनिक बैरी ने बेहतर प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी कभी भी खेल पर नियंत्रण में नहीं दिखी, लेकिन उन्होंने बहादुरी से मुकाबला किया। फिर भी, न्यूजीलैंड ने एक घंटे और 23 मिनट में 6-3, 6-4 से सीधे सेटों में जीत हासिल की।

इससे पहले, टूर्नामेंट का उद्घाटन पूर्व फेड कप खिलाड़ी राधिका तुलपुले-कानिटकर, सोहिनी कुमारी, सौजन्या बाविशेट्टी, प्रांजला यादलापल्ली, साई जयलक्ष्मी, आरती पोनप्पा नाटेकर, महाराष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी बेला फड़के, राधिका मांडके और शीतल कन्नमवार अय्यर ने किया।

इस अवसर पर महाराष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी रुतुजा भोसले, राधिका गोडबोले, बेला फड़के, वैष्णवी अडकर और शीतल कन्नमवार अय्यर को भी सम्मानित किया गया।

एमएसएलटीए के चेयरमैन भरत ओझा, टूर्नामेंट डायरेक्टर और एमएसएलटीए के मानद सचिव सुंदर अय्यर, कोषाध्यक्ष सुधीर भीवापुरकर, संयुक्त सचिव राजीव देसाई और शीतल भोसले तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज वैद्य ने पुरस्कार प्रदान किए।

इससे पहले, टूर्नामेंट डायरेक्टर सुंदर अय्यर ने स्वागत भाषण दिया। टूर्नामेंट के आधिकारिक उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों ने अपने-अपने राष्ट्रीय ध्वज लेकर कोर्ट में मार्च किया। सेंटर कोर्ट में जश्न का यह एक खूबसूरत पल था, जब टीमें टूर्नामेंट से पहले एक साथ आई थीं।

नींद नहीं आती या फिर बहुत आती है?

अधिक नींद आना या आवश्यक नींद भी नहीं ले पाना हमारे कार्य करने के ढंग से लेकर शरीर के मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करता है। जीवनशैली की अनियमितता और तनाव कई कारण होते हैं, जो हमारी नींद में बाधक बनते हैं। कुछ प्राकृतिक नुस्खों से इसमें राहत पाई जा सकती है।

नींद बहुत आना

पढ़ते समय नींद आती हो और सिर दुखता हो तो पान में एक लौंग डाल कर चबा लेनी चाहिए। इससे सुस्ती और दर्द में कमी होगी। नींद अधिक नहीं सताएगी। यदि पढ़ते समय अथवा रात को देर तक पढ़ते रहने के कारण प्रात:काल सिरदर्द की शिकायत हो तो नीबू की चाय बना कर पीएं। बिना दूध की चाय बना कर (चाय को पत्ती उबालने के बाद चाय के एक कप पानी में दूध न मिला कर) उसमें दूध डालने की बजाय एक नींबू का रस डाल दें। इस चाय को पीने से दिमागी तनाव दूर होता है और ताजगी आती है। आप दिन भर सुस्ती के स्थान पर स्फूर्ति का अनुभव करेंगे।

सहायक उपचार: अतिनिद्रा वालों के लिए वज्रासन का अभ्यास परमोपयोगी है। यह आसन मन की चंचलता दूर करने में भी सहायक है। पढ़ने में मन न लगने वाले विद्यार्थियों को इस आसन में पढ़ना चाहिए।

अनिद्रा (नींद न आना)

तरबूज के बीज की गिरी और सफेद खसखस अलग-अलग पीस कर बराबर वजन मिला कर रख लें। तीन ग्राम औषधि प्रात: एवं सांय लेने से रात में नींद अच्छी आती है, रक्त का दबाव कम होता है और सिर दर्द ठीक होता है। आवश्यकतानुसार एक से तीन सप्ताह तक लें।

विकल्प

खसखस छ: ग्राम, 250 ग्राम पानी में पीसकर कपड़े से छान लें और मिश्री 25 ग्राम मिला कर सुबह या शाम चार बजे नित्य एक बार लें। अनिद्रा दूर होगी। आवश्यकतानुसार इसे एक से तीन सप्ताह तक ले सकते हैं। तीन ग्राम पोदीना की पत्तियां (अथवा डेढ़ ग्राम सूखी पत्तियों का चूर्ण) 200 ग्राम पानी में दो मिनट उबाल कर छान लें। गुनगुना रहने पर इस पोदीना की चाय में दो चम्मच शहद डाल कर नित्य रात में सोते समय पीने से गहरी और मीठी नींद आती है। तीन-चार सप्ताह तक लें।

सहायक उपचार

नींद कम या देर से आती हो तो सोने से पहले पैरों को हल्के गर्म पानी से धोकर साफ कर लेना चाहिए।पैरों के तलवों में सरसों के तेल की मालिश करने से नींद गहरी आती है। सिर में बादाम रोगन या आंवला या ब्राह्मी तेल की मालिश करने से नींद अच्छी आती है।

चाय पीने के होते हैं कई फायदे

चाय लोगों की जिंदगी से काफी हद तक जुड़ चुकी है, जिससे वह चाहकर भी दूर नहीं रह सकते। सर्दियों का मौसम हो या गर्मियों की शाम, चाय पीना तो बनता ही है। कई लोगों की तो दिन की शुरुआत ही चाय से होती है और चाय पर ही खत्म हालांकि बहुत सारे लोगों का मानना है कि चाय सेहत के लिए नुकसानदायक होती है लेकिन अगर आप भी चाय प्रेमी हैं तो आज जरा कुछ स्वस्थ्यवर्धक गुण जान लें।

चाय पीने के फायदे

उम्र घटाएं- चाय में एंटीऑक्सीडेंट शामिल होता है। चाय उम्र बढ़ने और प्रदूषण के प्रभाव के प्रकोपों से आपके शरीर की रक्षा करती है।

कम कैफीन- कॉफी के मुकाबले चाय में कम कैफीन होते हैं। कॉफी में आमतौर पर चाय से 2 से 3 बार अधिक मात्रा में कैफीन पाई जाती है। 8 औंस कप की कॉफी में 135 मिलीग्राम के आसपास कैफीन होता है, वहीं पर चाय के प्रति कप में केवल 30 से 40 मिलीग्राम कैफीन होता है यदि कॉफी पीने से आपको अपच, सिर दर्द या सोने में कोई परेशानी आती है, तो चाय पी लें।

दिल का रोग- चाय दिल का दौरा और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकती है। चाय पीने की वजह से धमनियां चिकनी और कोलेस्ट्रॉल से मुक्त हो जाती हैं। 6 कप से अधिक चाय पीने से दिल की बीमारी होने का खतरा एक तिहाई कम रहता है।

हड्डियां बने मजबूत- चाय आपकी हड्डियों को भी बचाती है। केवल इसलिए नहीं कि इसमें दूध मिला होता है बल्कि एक अध्ययन में उन लोगों की तुलना एक साथ की गई थी, जो चाय का सेवन 10 साल से करते आ रहे हैं और जो चाय नहीं पीते। अध्ययन में पाया गया कि चाय पीने वालों की हड्डियां उम्र, अधिक वजन, व्यायाम, धूम्रपान और अन्य रिस्क फैक्टरों के बावजूद भी मजबूत है।

दांत बने मजबूत- चाय पीने से आपके दांत मजबूत बनेगें। चाय वास्तव में फ्लोराइड और में टैनिंन से बनी होती है जो प्लेग को दूर रखता है। यह स्वस्थ दांतों और मसूड़ों के लिए भी फायदेमंद हैं।

से लड़े- चाय पीने से आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को संक्रमण से लड़ने में बहुत मदद मिलती है। सर्दी-जुखाम जैसी आम बीमारियां चाय पीने से एक दम गायब हो जाती हैं।

कैंसर से बचाए- चाय कैंसर के विरुद्ध सुरक्षा करती है क्योंकि इसमें पॉलीफिनॉल और एंटीऑक्सीडेंट मिला होता है। इन दोनों के प्रभाव कैंसर से लड़ने के लिए बहुत मदद करते हैं।

पानी की कमी पूरा करें- चाय हाइड्रेटेड रहने में तो मदद करती है जबकि काफी पीने से पेशाब ज्यादा लगती है इसलिए यह शरीर में ज्यादा देर तक न रह कर बाहर निकल जाती है। इसलिए हमारे शरीर में पानी की पूर्ती नहीं हो पाती। अगर आप रोज दिन में 6 कप कॉफी के पी जाते हैं, तो आपके अंदर पानी की कमी हो सकती है।

कम कैलोरी- चाय में किसी भी प्रकार की कैलोरी नहीं होगी, जब तक आप उसमें किसी प्रकार का स्वीटनर या दूध न मिला लें। यदि आप एक संतोषजनक, कैलोरी मुक्त पेय पीना चाहते हैं, तो चाय उसमें से सबसे सेफ ऑप्शन है।

फैट घटाए- चाय से फैट भी कम होता है इससे आपको शरीर का मैटाबॉलिज्म बढ़ जाता है। कुछ लोगों का वजन एक्सरसाइज करने से भी कम नहीं होता लेकिन अगर आप ग्रीन टी पिएंगें तो आपका मैटाबॉलिज्म रेट बढ़ेगा, जिससे 70 से 80 कैलोरी आराम से बर्न हो सकती है। इसके साथ ही आपाको रोज 30 घंटे की वाल्क भी लेनी जरूरी है।

बच्चे में चिड़चिड़ापन न करें नजरअंदाज

अगर आपका शिशु अधिक चिड़चिड़ा है तो ये कोई नजरअंदाज करने वाली बात नहीं है। यह किसी मानसिक बीमारी का प्रारम्भिक संकेत भी हो सकता है। हालांकि शिशु का थोड़ी-थोड़ी देर में चिड़चिड़ाना और रोना अधिकतर सामान्य भी होता है। अधिकांश शिशु हर रोज कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक रोते हैं। लेकिन अगर बच्चे में चिड़चिड़ापन बहुत ज्यादा हो और लंबे समय तक ये बना रहे तो कोई समस्या हो सकती है। चलिए विस्तार से जानें कि बच्चे में चिड़चिड़ापन कब सामान्य है और कब ये किसी समस्या का संकेत हो सकता है।

शिशुओं में साधारण चिड़चिड़ापन

शिशु का थोड़ी-थोड़ी देर में चिड़चिड़ाना और रोना आमतौर पर गंभीर बात नहीं होती है। ज्यादातर शिशु हर रोज कुल एक घंटे से लेकर तीन घंटे तक के समय के लिए रोते हैं। इसका पिछे कारण यह है कि आपका शिशु अपने आप खुद कुछ नहीं कर सकता है और वह अपनी हर जरुरत के लिए आप पर ही निर्भर करता है, फिर चाहे उसे भूख लगी हो, वो आराम चाहता हो या फिर उसे प्यार और दुलार की दरकार हो। आपका शिशु रो-रो कर ही आपको यह बताने की कोशिश करता है। लेकिन कई बार यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है की भला शिशु ज्यादा क्यों रो रहा है। इसके लिए आपको शिशु के लक्षण पहचानकर अंदाजा लगाना होता है। इसमें थोड़ी मुश्किल जरूर होती है लेकिन समय के साथ आप पहचानना सीख जाती हैं और समझने लगती हैं की आपके शिशु के रोने का कारण क्या है। शिशु के चिड़चिड़ेपन और उसके रोने को किस तरह से पहचाना जाए, और किस तरह से उसे शांत कराया जाए।

मानसिक बीमारी का प्रारम्भिक संकेत भी हो सकता है एक शोध में सामने आया कि अगर आपका शिशु अधिक चिड़चिड़ा है तो यह किसी मानसिक समस्या का संकेत भी हो सकता है। वैज्ञानिकों ने शिशुओं द्वारा शुरुआती बाल्यावस्था के दुर्व्यवहार और गम्भीर दुर्व्यवहार को अलग करने के लिए एक प्रश्नावली तैयार की। एक रिपोर्ट के मुताबिक इसके द्वारा बच्चों में मानसिक बीमारी के शुरुआती अवस्था में पहचान एवं इलाज में सहायता मिल सकती है।

शोध के मुताबिक यह संकेत इशारा करते हैं कि जब शिशु में चिड़चिड़ापन अक्सर होने लगे तो इसका अर्थ है कि वह मानसिक रूप से संघर्ष कर रहा है। शोधकर्ताओं ने तीन से पांच साल के प्री स्कूल जाने वाले 1500 बच्चों के अभिभावकों से उनके बच्चों के व्यहार के सम्बंध में प्रश्न पूछने के लिए मल्टीडाइमेंशनल एसेसमेंट ऑफ प्रीस्कूल डिस्रपटिव बिहैवियर (एमएपी-डीबी) नामक प्रश्नावली विकसित की।

शोध में पाया गया कि बच्चों में चिड़चिड़ापन पाया गया। 10 प्रतिशत से कम बच्चे रोज झल्लाते थे और चिड़चिड़ापन दिखाते थे। यह लक्षण लड़के एवं लड़कियों दोनों में ही एक जैसा पाया गया।

हार्ट अटैक के बाद बरतें ये सावधानियां

बदलती जीवनशैली, खानपान की गलत आदतें, जरूरत से ज्यादा तनाव और एक्सरसाइज की कमी के कारण दिल संबंधी रोगों में तेजी से वृद्धि हो रही है। दिल, मांसपेशियों से बना अंग है जो शरीर के विभिन्न अंगों में ब्लड की पम्पिंग करता है। दिल की रक्त प्रवाहित करने वाली धमनियों में जब रूकावट आती है तो उस हिस्से में रक्त का संचार ना होने से मांसपेशियां मरने लगती हैं। जिससे दिल की क्रियाविधि प्रभावित होती है, इसी को हार्ट अटैक कहते हैं।

हार्ट अटैक के बाद

अटैक आने के तुरंत बाद जीभ के नीचे एस्पिरिन की एक गोली रखने से भी जोखिम काफी कम हो सकता है। इसके बाद तुरंत विशेषज्ञ के पास पहुंचाएं क्योंकि हार्ट अटैक के 1-6 घंटों को बहुत महत्वपूर्ण समझा जाता है। यदि शुरूआत के घंटों में समुचित चिकित्सा हो जाती है तो दिल को होने वाले नुकसान को काफी कम किया जा सकता है। रोगी को सपोर्ट दें, लोगों की सलाह पर कोई दवाई न दें। इसके साथ-साथ समय के साथ हार्ट अटैक के लक्षणों में आ रहे अंतर को समझना भी बेहद जरूरी होता है। उदाहरण के लिए सामान्य लोगों से उलट ज्यादातर डायबिटिक लोगों में हार्ट अटैक आने पर सीने में दर्द होने के बजाय सांस फूलने, घबराहट, छाती में भारीपन, चक्कर आना तथा जबड़े में जकड़न जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करें

कोलेस्ट्रॉल को अपने दिल के करीब न फटकने दें। बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल से दिल से संबंधित बीमारियों का खतरा बना रहता है। इसलिए हाई ब्लड प्रेशर और बढ़े कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने के लिए दवाइयों और डाइट पर विशेष ध्यान दीजिए।

धूम्रपान से दूरी

जिनको धूम्रपान के कारण हार्ट अटैक हुआ था वो धूम्रपान बिल्कुल न करें। शोध में पाया कि दिल का दौरा पड़ने के बाद जो मरीज धूम्रपान फिर से शुरू कर देते हैं उनके साल भर के अंदर मरने का अंदेशा होता है।

हार्ट अटैक के इलाज के बाद सावधानी

एक बार हार्ट अटैक झेल चुके हृदय के मरीजों को अत्यन्त सावधानी के साथ अपनी जीवन शैली में ऐसे बदलाव अपनाने चाहिए जिससे दूसरी बार अटैक से बचे रहें। हार्ट अटैक के इलाज के बाद मरीज को कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासकर दवाइयों को नियमित रूप से लेना जरूरी है। इसके अलावा जिसके कारण उसे हार्ट अटैक हुआ था, उसे नियंत्रित करना चाहिए।

जैतून के तेल का इस्तेमाल

खाने में तेल के इस्तेमाल से ब्लॉकेज तेजी से बढ़ता है, इसलिए तेल कम-से-कम इस्तेमाल करें। वैसे भी, तेल में अपना कोई स्वाद नहीं होता। अगर आपको तेल का इस्तेमाल करना ही हैं तो जैतून के तेल का प्रयोग करें। जैतून के तेल में फैटी एसिड की प्रचुर मात्रा होती है जो ह्दय रोग का खतरा कम करती है।

नियंत्रित रखें वजन

मोटापा भी ब्लॉकेज बढ़ा सकता है। इसलिए अपनी उम्र और लंबाई के हिसाब से अपना आदर्श भार पता लगाएं और उस भार को पाने और फिर बनाए रखने के लिए मेहनत करें। बीएमआई 25 से ज्यादा और कमर का माप 34 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए।

शुगर को नियंत्रित रखें

शुगर के रोगियों में धमनियों में रक्त का थक्का बनने की संभावना काफी अधिक होती है। यदि मरीज को शुगर है तो शुगर को नियंत्रित करने वाली दवा लेना बहुत जरूरी होता है।

ड्राई फूड को शामिल करें

नट्स रक्त वसा पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। साथ ही यह हानिकारक कोलेस्ट्रॉल को कम करने में आपकी मदद करते हैं। इसमें विटामिन ई, मैगनीशियम, फाइबर व पोटेशियम आदि होते हैं जो ह्दय के लिए सुरक्षा तत्व का काम करते हैं। हार्ट अटैक के बाद इन सब बातों को ख्याल रख कर और तली-भूनी चीजों और नमक का कम सेवन, नियमित रूप से आधे घंटे तक वॉक, योग व व्यायाम और भोजन में रेशेदार चीजों को शामिल आप आसानी से दूसरी बार आने वाले अटैक के खतरे से बचे रह सकते हैं।

इस व्यायाम से दूर होगी खर्राटे की समस्या

खर्राटे से आपको जितनी अधिक समस्या होती है उससे कहीं अधिक समस्या आपके पार्टनर या आपके साथ सोने वाले दूसरे लोगों को होती है। क्योंकि आपके खर्राटे दूसरों की नींद उड़ा देते हैं। अगर खर्राटे की समस्या को नजरअंदाज किया जाए तो इसके कारण कई बीमारियां होने लगती हैं। लेकिन अगर आप खर्राटे लेते हैं तो यह जानकारी आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। हम आपको ऐसे तीन व्यायाम के बारे में बता रहे हैं जिनका अभ्यास करने से आपको खर्राटों की समस्या नहीं होगी।

क्यों आते हैं खर्राटे

कई बार वायुमार्ग के पास अतिरिक्त ऊतक जमा हो जाते हैं और इसके कारण वायुमार्ग से जुड़ी मांसपेशियां ढीली हो जाती हैं। जिससे वायु के प्रवाह में रुकावट आती है। इससे सामान्य सांस लेने में समस्या होती है, और खर्राटे आने लगते हैं। बंद मुंह से खर्राटे लेना जीभ की संरचना में समस्या का संकेत है, वहीं खुले मुंह से खर्राटे लेने का संबंध गले के टिश्यू से हो सकता है।

मुंह का व्यायाम करें

खर्राटों से निजात पाने के लिए जीभ के अगले हिस्से को दांतों से सटा लीजिए। फिर जीभ को पीछे की ओर खींचिए। ऐसा एक मिनट तक करें। यह क्रिया दिन में कम से कम तीन बार जरूर दोहराएं। अब मुंह खोलें, निचले जबड़े को दाईं ओर करें और 30 सेकेंड के लिए इसे रोककर रखें। फिर इस क्रिया को बाईं ओर से भी करें। इस अभ्यास को दो से तीन बार दोहराएं।

नुकसानदेह हैं खर्राटे

अगर आपको खर्राटों की समस्या लंबे समय तक रहे तो इसके कारण उच्च रक्तचाप, रात में सीने में दर्द, ध्यान केंद्रित न कर पाना, ह्दय की धड़कन असामान्य होना, रक्त में शुगर की मात्रा असंतुलित होना, फेफड़ों में समस्या, हो सकती है। शोधों की मानें तो यह हड्डियों को भी कमजोर कर सकता है। खर्राटों के कारण कैरोटिड धमनियों की दीवार मोटी हो जाती है। इन धमनियों का कुछ भाग गले के बहुत पास होता है और खर्राटों के कारण होने वाले कंपन का प्रभाव इन पर पड़ता है। धमनियों के मोटा होने से स्ट्रोक और धमनियों के कड़ा होने का खतरा बढ़ जाता है। ये दोनों स्थितियां दिल को प्रभावित करती हैं।

खीरे से करें अपने घर को कॉकरोच से मुक्त

कॉकरोच की कल्पना से ही हममें से कई लोगों को घिन आने लगती है, यह दुनिया का सबसे बुरा जीव है जो हर किचन में यहां-वहां घूमते हुए दिख जाते हैं। कोई भी घर ऐसा नहीं मिलेगा जहां कॉकरोच न हो। कभी वे आपको सिन्क पर घुमते नजर आयेंगे, तो कभी पाइप के छेद में, कभी फ्रिज के पीछे या फिर हर उस जगह पर दिखेंगे जहां गंदगी होगी। इसे भगाने में इन टिप्स की मदद लीजिए।

कॉकरोच की समस्या

कॉकरोच आपके घर में एक शानदार कॉलोनी बना कर मजे से रहते हैं। जब भी आप किचन में जाती हैं तब ही आपको 2-3 कॉकरोच इधर-उधर भागते हुए दिखते हैं। साथ ही यह सूक्ष्मजीवों को आपके घर में हर जगह फैलाकर कई प्रकार के रोगों को संचारित कर सकते हैं। जाहिर सी बात है आपने इन्हें कंट्रोल करने के लिए पेस्ट कंट्रोल और संहारक की मदद ली होगी, हालांकि यह केमिकल कॉकरोच को मारने के बेस्ट उपायों में से एक हो सकता है, लेकिन यह आपके, आपके बच्चों, आपके पालतू जानवर और आपके साथ रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होता। कौन चाहता है कि उसके घर के आस-पास कॉकरोच हो, लेकिन कॉकरोच से छुटकारा पाना बहुत मुश्किल काम है। डायनासोर की तरह यह सबसे पुराने ऐसे जीव हैं, जो हजारों लाखों साल से धरती पर बने हुए हैं। एक बार कॉकरोच घर में जगह बना लेने के बाद इन्हें बाहर निकालना वास्तव में एक समस्या होती है। अगर आप इन गन्दगी फैलाने वाले कॉकरोच से परेशान हो चुकी हैं और इन केमिकल से दूर एक असरदार दवाई ढूंढ रही हैं तो खीरे जैसा प्राकृतिक उपचार इन कॉकरोच से आपके घर को छुटकारा दिला सकता है।

खीरे से दूर भगाएं कॉकरोच

खीरा कॉकरोच से छुटकारा पाने का एक शानदार तरीका है। कॉकरोच से छुटकारा पाने के लिए आपको घर में जहां भी कॉकरोच दिखें उस जगह पर खीरे के स्लाइस को रखें। खीरे की स्मैल कॉकरोच को दूर भगाने के लिए काफी है क्योंकि खीरा हानिकारक जीवाणुओं के विकास को बंद करता है, जो कॉकरोच के लिए बाधा के रूप में काम करता है।

इसलिए अगर आप अपने घर के इस दुखदायी जीव से छुटकारा पाना चाहते हैं तो खीरा का उपयोग करें। खीरा बहुत ही आसान घरेलू उपाय है क्योंकि ये सुपरमार्केट में आसानी से मिल जाता है। इसे लाना और इस्तेमाल करना बहुत ही आसान होने के साथ-साथ यह कम पैसों में मिलने वाला और कठोर केमिकल से मुक्त उपाय है। इसके अलावा आप कई अन्य घरेलू उपायों को भी अपना सकते हैं।

अन्य उपाय

कॉकरोच की समस्या लगभग सभी घरों में होती है। कॉकरोच को दूर भगाने के लिए 2 बड़े चम्मच बोरिक पाउडर और 2 बड़े चम्मच गेहूं के आटे को दूध में मिलाकर गूंथ लें। इनकी छोटी गोलियां बनाकर जिस जगह कॉकरोच हों वहां रख दें। लौंग को हम खाना बनाते समय इस्तेमाल करते हैं लेकिन आप इसे कॉकरोच से छुटकारा पाने के लिए भी प्रयोग कर सकती हैं। किचन कैबिनेट के अंदर थोड़ा लौंग रख दीजिए और फिर देखिए कि ये कैसे भागते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**